▪ भाद्रपद कृष्णा - 5 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 32 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 24-08-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

	श्री आदिनाथाय नमः	
	ॐ ह्रीं श्री चिन्तामणी पार्श्वनाथाय नमः	
	श्री वर्धमानाय नमः	

प.पू. युगप्रधानाचार्य श्री रघुनाथजी म.सा. | कर्नाटक गजकेशरी, घोर तपस्वी, प.पू. श्री गणेशलालजी म.सा. | आचार्य सम्राट डॉ. श्री शिवमुनिजी म.सा. | युवाचार्य प.पू. श्री महेन्द्रऋषिजी म.सा. | प्रवर्तक पूज्य गुरूदेव श्री सुकनमुनिजी म.सा. | गुरूवर्या महासती श्री सज्जनकंवरजी म.सा.

धर्म - स्नेह चातुर्मास 2024

जन्म जयन्ति एवं पुण्य तिथि समारोह

:: पावन आशीर्वाद एवं निश्रा प्रदाता ::

उत्तर भारत गौरव, सेवा सुमेरु, श्रमण संघीय, उपप्रवर्तक परम पूज्य श्री पंकजमुनिजी म.सा.

दक्षिण सूर्य ललित लेखक परम पूज्य डॉ. श्री वरुणमुनिजी म.सा. 'अमर शिष्य' आदि ठाणा 4

पावन सान्निध्य

दक्षिण धर्मप्रचारिका, पू. महासती
श्री धर्मप्रभाजी म.सा.
श्रमणी गौरव, विदुषी साध्वी रत्ना
श्री स्नेहप्रभाजी म.सा.
आदि ठाणा -2

:: पावन आशीर्वाद एवं निश्रा प्रदाता ::

दक्षिण दीपिका, जिनशासन चन्द्रिका, संयम सुमेरू शासन सूर्या, पुष्कर कुल दीपिका, उपप्रवर्तिनी, गुरूणीमैया पूज्या महासती श्री सत्यप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 5

परम पूज्या तपस्विनी महासती श्री सुप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा

आस्था के आयाम, श्रमण सूर्य, दिव्य विभूति, प.पू. गुरुदेव मरुधर केसरी 1008

जय गुरु मिश्री श्री मिश्रीमलजी म.सा. की 134 वीं जन्म जयंति एवं अहिंसा दिवाकर, लोकमान्य संत, शेरे राजस्थान, वरिष्ठ प्रवर्तक, प.पू. गुरुदेव श्री रुपचंदजी म.सा. रजत की 97 वीं जन्म जयंति एवं छठी पुण्यतिथि गुणगान **जय गुरु रुप**

दि. 25 अगस्त 2024, प्रातः 9 बजे से

स्थल : श्री गोडवाड़ भवन, जे.सी. रोड़ क्रॉस, बेंगलोर
कार्यक्रम के पश्चात् गौतम प्रसादी ग्रहण कर आतिथ्य का अवसर प्रदान करावें।

गौतम प्रसादी के लाभार्थी
श्रीमती शांतिदेवी, अमरीदेवी-गौतमचंदजी,
पिंकीजी-संजयजी, डिम्पलजी-स्वरुपजी, वंश, नैतिक एवं समस्त सिंघवी परिवार
पुत्री-जंवाई : करुणाजी-अनिलकुमारजी कांकरिया, रंजना-निकेशकुमारजी भंडारी,
दोहित्र-दोहित्री : सिद्धि कांकरिया, समकित, हियांश भंडारी, हनुमंतनगर (आनंदपुर कालु)

प्रभावना के लाभार्थी
श्रीमती पिस्ताबाई-जवरीलालजी,
हेमलता-दिनेशकुमारजी,
साक्षीजी-आशीषकुमारजी पगारिया परिवार
बेंगलोर, (सोजत सिटी)

अल्पाहार के लाभार्थी
श्रीमानसा माणकचंदजी, किरणराजजी, महावीरचंदजी, हेमन्तकुमारजी, विनोदकुमारजी, नितेशकुमारजी, अंकितकुमारजी, जिनेशकुमारजी, चेतनजी, जय, रियान एवं समस्त लुंकड़ परिवार, हनुमंतनगर (सोजत सिटी)

मरुधर केसरी दरबार के उद्घाटन
श्रीमानसा तगतराजजी-ललिताजी, मनोजकुमारजी-नीतूजी, धिति, प्रथम एवं समस्त बाफणा परिवार, चामराजपेट (मोहरां कलां)

ध्वजारोहण के लाभार्थी
श्रीमानसा निर्मलकुमारजी, जम्बुजी-सरलाजी, राजूजी, ऋषभजी, श्रेयांशजी-रक्षाजी, प्रियानजी दुगड़ परिवार, अंकिता-रोहितजी ओस्तवाल राजाजीनगर बेंगलोर

सामायिक दिवस के लाभार्थी
श्रीमानसा बी. सुरेशचंदजी, पवनकुमारजी, विशालजी, आरुषजी, मिरवजी छल्लाणी नगरथपेट (जेतारण)

रक्षाबंधन के लाभार्थी
श्रीमती सुनिताबाई, संघवी किशोरकुमारजी-उषाबाई, अजयजी, दर्शिताजी, भेरुकुमारजी-वृत्तिजी रातड़िया मुथा हनुमंतनगर (सोजत सिटी)

एकासन के लाभार्थी
श्रीमानसा किशोरचंदजी, धनराजजी, महेन्द्रजी, भरतजी, हितेशजी, दिवांशजी एवं समस्त खिंवसरा मुथा परिवार हनुमंतनगर (हांजीवास, बर)

सजोड़े जाप के लाभार्थी
श्रीमानसा मांगीलालजी, प्रकाशचंदजी, सुरेशचंदजी, प्रसन्नचंदजी, राजेन्द्रकुमारजी, प्रदीपकुमारजी, तरुणकुमारजी, यशराजजी,लोहितराजजी, सोनितजी कवलेचा बोहरा परिवार, हनुमंतनगर (केलवाज)

अन्नदानम् के लाभार्थी
श्रीमती शांतिदेवी, श्रीमानसा गौतमचंदजी, संजयकुमारजी, स्वरुपजी, वंशजी, नैतिकजी सिंघवी हनुमंतनगर (आनंदपुर कालु)

हनुमंतनगर श्री संघ के आधार स्तंभ

स्व. श्री कुन्दनमलजी भंडारी

स्व. श्री घेवरचन्दजी सिंघवी

स्व. श्री पारसमलजी बाफणा

स्व. श्री पारसमलजी लुंकड़

स्व. श्री कानमलजी छाजेड़

संघ सेवा कार्य में सदैव तत्पर व अग्रणी
दानवीर, भामाशाह सम्मानीय
श्री रणजीतमलजी कानूंगा

सौजन्य स्व श्री मोहनलालजी एवं स्व श्री इंदरचंदजी दुगड के दिव्याशीष से

रतनदेवी , पारसमल - लीला,
कमलचन्द-सुनीता,
CA विशाल - जागृति, CA विकास - CA पूजा,
सुष्मिता, विवान, युवान, हीर
एवं समस्त दुग्गड परिवार,
हनुमन्तनगर-बेंगलूरु
मरुधर में कुरडाया, मेड़ता सिटी
बेटी जवाई : संगीता-अशोकजी सुराणा
पोती जवाई : खुशबू-श्रेयांशजी छाजेड़

Firm: VPJ ASSOCIATES, 3rd floor, No. 17, Lalbagh road, Bangalore 560027

शुभकामनाओं सहित दुग्गड़ परिवार के परम हितैषी

श्री पदमचन्दजी आच्छा
राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष
जैन कॉन्फ्रेन्स, नई दिल्ली

निवेदक : श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, हनुमंतनगर, बेंगलोर

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	मंत्री	सहमंत्री	सहमंत्री	सहमंत्री	कोषाध्यक्ष
गौतमचन्द सिंघवी	हुक्मीचन्द बाफणा	नेमीचन्द दक	पारसमल दुगड़	सुरेश धोका	रोशन कुमार बाफणा	संजय सिंघवी	रमेश गुन्देचा	धनराज खिंवसरा मुथा

श्री वर्ध. स्था. जैन श्रावक ट्रस्ट — अध्यक्ष : सज्जनराज लुंकड़ मंत्री : उत्तमचंद बोहरा
युवक मंडल — अध्यक्ष : शीतल रांका मंत्री : किशोर बाफना
महिला एवं बहु मंडल — अध्यक्षा : मंजूबाई बालिया मंत्री : संगीताबाई धोका
मार्गदर्शक — श्री कल्याणसिंह भुरड, श्री हुक्मीचंदजी कांकरिया

कार्यकारिणी सदस्य : अशोक भिलवाड़िया, दिनेश पगारिया, हरिश खिंवसरा मुथा, हेमन्त लुंकड़, जयसिंह बुरड़, महावीर बोहरा, महावीर बुबकिया, महावीर गुलेच्छा, महावीर मारु, नवीन बोथरा, प्रकाश लोढ़ा, के. राजेन्द्र छाजेड़, एस. राजेन्द्र छाजेड़, राजेश बाफणा, सज्जनराज रुणवाल, शांतिलाल भंडारी,सुनील बोहरा, सुशील बोहरा, उत्तमचंद बोहरा, विजयकुमार पगारिया

चिकित्सा शिक्षा प्रणाली में बदलाव की जरूरत है : सांसद बसवराज बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि यदि सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए चिकित्सा शिक्षा में विशेष पाठ्यक्रम और कैडर बनाए जाएं और एक ऐसी प्रणाली स्थापित की जाए जहां गरीबों को बिना किसी वित्तीय बोझ के इलाज मिल सके, तो एक स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है। शुक्रवार को 'संयुक्त कर्नाटक' समाचार पत्र द्वारा आयोजित स्वास्थ्य महोत्सव में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत में गरीबी कई स्तरों पर मौजूद है- अत्यधिक गरीबी, गरीबी, निम्न मध्यम वर्ग और मध्यम वर्ग गरीबी और स्वास्थ्य के बीच एक संबंध है, जिसे सांसदों को समझने की जरूरत है। जहां गरीबी है, वहां स्वच्छता और पौष्टिक भोजन की समस्या है। विभिन्न बीमारियों का प्रचलन, विशेष रूप से बच्चों में, उन्हें स्वस्थ नागरिक बनने से रोकता है। उनका ध्यान गरीबों के स्वास्थ्य पर अधिक होना चाहिए और चिकित्सा शिक्षा प्रणाली को बदलने की जरूरत है। हमने एक पश्चिमी चिकित्सा शिक्षा प्रणाली को अपनाया है जहां केवल अमीर और मध्यम वर्ग मौजूद हैं। यहां, जहां अत्यधिक गरीबी है, एमबीबीएस की डिग्री के लिए पांच साल, पीजी के लिए दो साल, कुल आठ साल लगते हैं और खर्च चार से पांच करोड़ रुपये तक होता है। अगर यह सरकारी सीट है, तो इसकी लागत दो से तीन करोड़ रुपये है। हालांकि, डॉक्टर बनने के बाद वे निजी अस्पतालों में जाते हैं और अमीरों की सेवा करते हैं, जबकि गरीबों की स्वास्थ्य समस्याएं अनसुलझी रहती हैं।

बोम्मई ने कहा कि कोविड के दौरान उन्हें अस्पताल के बुनियादी ढांचे की स्थिति का पता चला। उन्होंने कोविड संकट को अवसर में बदला और सभी जिला और प्रमुख तालुक अस्पतालों को वेंटिलेटर और ऑक्सीजन सुविधाओं से लैस किया। आईसीयू सुविधाएं भी प्रदान की गईं। उन्हें यह काम जारी रखने की जरूरत है। कुछ जगहों पर रखरखाव ठीक नहीं था, जिससे लोगों को निजी सेवाओं की ओर रुख करना पड़ा। उन्हें इस बारे में सोचने की जरूरत है। बोम्मई ने कहा कि पिछले भाजपा कार्यकाल के दौरान डायलिसिस चक्र बढ़ाए गए और हमने कई क्लीनिक स्थापित की। उन्होंने कान की समस्याओं वाले लोगों के लिए कोक्लियर इम्प्लांट सिस्टम स्थापित किया। कई सुधारों की जरूरत है। उत्तर कर्नाटक के स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। यहां मरीजों के साथ बेड और डॉक्टरों का अनुपात काफी असंतुलित है और इसमें सुधार की जरूरत है। यह एक बड़ी जरूरत है। निजी क्षेत्र के बारे में बहुत चर्चा होती है, लेकिन गरीबों की स्थिति बहुत कठिन है। उन सभी को इस बारे में सोचने और चिंतित होने की जरूरत है। वे कहते हैं कि इलाज तभी मिलेगा जब वे एक लाख रुपये देंगे, या उनके पास बीमा होगा। वे दावा करते हैं कि आपातकाल है, लेकिन अक्सर कोई वास्तविक आपातकाल नहीं होता है; सब कुछ भ्रष्टाचार है, और इसे मौलिक रूप से बदलने की जरूरत है। जब पूरा समाज गरीबों के साथ खड़ा होता है, तभी बदलाव संभव है, और एक क्रांति की जरूरत है। केंद्र और राज्य सरकारों को इस संबंध में मिलकर काम करना चाहिए। सांसद ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में समाचार पत्रों के महत्व को महात्मा गांधी ने अच्छी तरह समझा था, यही वजह है कि उन्होंने अपना खुद का समाचार पत्र शुरू किया।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ राज्यपाल के समक्ष एक और शिकायत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूमि घोटाले में जांच का सामना कर रहे मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को एक और झटका लगा है। शुक्रवार को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत के समक्ष उनके खिलाफ झूठा जवाब देने और राज्य के समेकित कोष के दुरुपयोग के संबंध में एक और शिकायत दर्ज कराई गई। राज्यपाल के समक्ष शिकायत दर्ज कराते हुए भाजपा एमएलसी डीएस अरुण ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर वित्तीय अनियमितता और राज्य के समेकित कोष के दुरुपयोग व संवैधानिक दायित्वों के उल्लंघन का आरोप लगाया। उन्होंने मामले की जांच और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को बर्खास्त करने की मांग की।

एमएलसी अरुण ने आरोप लगाया की मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने झूठा और मनगढ़ंत दस्तावेज तैयार किया और उसे विधानमंडल के समक्ष प्रस्तुत किया। इसके अलावा उन्होंने हजारों करोड़ रुपये का दुरुपयोग किया। वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने अपने अधिकारों का उल्लंघन किया। अरुण ने अपनी शिकायत में कहा कि उन्होंने बेलगावी में शीतकालीन सत्र के दौरान राज्य के जिला परिषदों और टीपी के फंड-दो के अप्रयुक्त राशि और वित्तीय वर्ष 2022-23 के अंत में राज्य के बोर्डों और निगमों के अप्रयुक्त शेष राशि से संबंधित खातों के संबंध में परिषद में एक प्रश्न उठाया था। इसके जवाब में मुख्यमंत्री ने उत्तर दिया कि अप्रयुक्त राशि को राज्य की संचित निधि में जमा कर दिया गया है, जो पूरी तरह झूठ है। इसकी पुष्टि कोषागार विभाग ने भी की है।

एमएलसी अरुण ने आरोप लगाया। जिला परिषद/टीपी निधि-दो की अप्रयुक्त राशि वर्ष 2014-15 से राज्य की समेकित निधि में जमा नहीं की गई है, जिसे जमा किया जाना अनिवार्य है। एमएलसी अरुण ने अपनी शिकायत में दावा किया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या का लिखित जवाब झूठा और फर्जी है।

सीतारमण ने अधिकारियों से जीएसटी को प्रभावी ढंग से लागू करने, सकारात्मक रवैया रखने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को यहां कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए और अधिकारियों को करदाताओं के प्रति अपना रवैया सकारात्मक रखना चाहिए। उदयपुर के हिरण मगरी में नवनिर्मित जीएसटी भवन के उद्घाटन के अवसर पर सीतारमण ने कहा, ''वर्ष 2019 से जीएसटी कार्यालयों को सुविधाजनक बनाया जा रहा है... इससे करदाताओं को अपनी समस्याओं का आसानी से समाधान कराने में मदद मिलेगी।''

अधिकारी और करदाताओं के बीच ''सकारात्मक माहौल'' का आह्वान करते हुए वित्त मंत्री ने कहा, ''अधिकारियों को करदाताओं के प्रति अपना रवैया सकारात्मक रखना चाहिए ताकि कठोर कदम उठाने की जरूरत न पड़े।'' उन्होंने कहा, ''जीएसटी परिषद में भी अधिकारी और मंत्री समस्याओं का तुरंत समाधान कर रहे हैं।''

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन संजय अग्रवाल, उदयपुर के सांसद मन्ना लाल रावत, राज्यसभा सदस्य चुन्नी लाल गरासिया ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

राकांपा (एसपी) से कोई भी मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवारी के लिए इच्छुक नहीं है: शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। शिवसेना (यूबीटी) द्वारा विपक्षी महाविकास आघाडी (एमवीए) पर मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किये जाने का दबाव बनाये जाने के बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरदचंद्र पवार ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी का कोई भी नेता मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनने के लिए इच्छुक नहीं है और इसके बजाय उनकी पार्टी राज्य में सरकार बदलने की ओर ध्यान दे रही है।

पवार ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के लिए एमवीए के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर 27 अगस्त को बैठक होगी। उन्होंने बताया कि पहले यह बैठक 20 अगस्त को होनी थी, लेकिन ठाणे जिले के बदलापुर में एक स्कूल में दो नाबालिग लड़कियों के साथ हुए कथित यौन शोषण के कारण इसे टाल दिया गया था।

शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे द्वारा विधानसभा चुनाव से पहले एमवीए द्वारा मुख्यमंत्री पद का चेहरा पेश करने पर जोर दिए जाने, जबकि कांग्रेस द्वारा इस मुद्दे पर अलग रुख अपनाने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए पवार ने कहा, ''जहां तक मेरी पार्टी का सवाल है तो हमारे किसी भी नेता को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है।'' उन्होंने कहा, हमारी पार्टी से किसी को भी (मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनने में) दिलचस्पी नहीं है। हम सिर्फ सरकार बदलना चाहते हैं। हम एक मंच पर (अन्य एमवीए सहयोगियों के साथ) रहकर राज्य के लोगों को बेहतर प्रशासन देना चाहते हैं।'' पवार ने चुनाव से पहले कहा कि सभी का ध्यान लोगों को सत्तारूढ़ महायुति के अलावा दूसरा विकल्प प्रदान करने पर होना चाहिए। महायुति में भाजपा, शिवसेना और राकांपा शामिल हैं। पूर्व मुख्यमंत्री पवार ने कहा, जहां तक मेरी बात है, मैं सवालों के घेरे में नहीं हूं और इसीलिए अब इस मुद्दे (मुख्यमंत्री पद के चेहरे का) को उठाने की कोई जरूरत नहीं है।

शाह ने नेकां से गठबंधन होने पर कांग्रेस से पूछे 10 सवाल, अनुच्छेद 370 पर रुख स्पष्ट करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के बीच गठबंधन होने पर देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी पर हमला किया और उससे यह स्पष्ट करने को कहा कि क्या वह अनुच्छेद 370 बहाल करने के 'अब्दुल्ला परिवार' के चुनावी वादे का समर्थन करती है।

शाह ने 'एक्स' पर एक लंबे पोस्ट में आरोप लगाया, ''सत्ता के लालच में बार-बार देश की एकता और सुरक्षा के साथ खेलने वाली कांग्रेस पार्टी ने जम्मू-कश्मीर चुनाव में अब्दुल्ला परिवार की 'नेशनल कॉन्फ्रेंस' के साथ गठबंधन करके फिर से अपने मंसूबों को देश के सामने रखा है।'' शाह ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों का उल्लेख करते हुए कांग्रेस और राहुल गांधी से 10 प्रश्न पूछे। उन्होंने पूछा, ''क्या कांग्रेस 'नेशनल कॉन्फ्रेंस' के जम्मू-कश्मीर में फिर से 'अलग झंडे' के वादे का समर्थन करती है? क्या राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35ए को वापस लाकर जम्मू-कश्मीर को फिर से अशांति और आतंकवाद के युग में धकेलने के नेशनल कॉन्फ्रेंस के निर्णय का समर्थन करती है?'' नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने 2019 में जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था और पूर्ववर्ती राज्य को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के रूप में केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया था। भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने सवाल किया कि क्या कांग्रेस, कश्मीर के युवाओं के बदले पाकिस्तान के साथ वार्ता करके फिर से अलगाववाद को बढ़ावा देने का समर्थन करती है?

फॉक्सकॉन ने कर्नाटक इकाई में 1,200 करोड़ रुपये का निवेश किया

बेंगलूरु/नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र की दिग्गज कंपनी फॉक्सकॉन ने कर्नाटक स्थित अपनी कंपनी फॉक्सकॉन होन हाई टेक्नोलॉजी इंडिया मेगा डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड में करीब 1,200 करोड़ रुपये (लगभग 14.4 करोड़ डॉलर) का निवेश किया है।

अनुबंध पर आईफोन बनाने वाली कंपनी की सिंगापुर इकाई फॉक्सकॉन सिंगापुर प्राइवेट ने 21 अगस्त को 10 रुपये प्रति शेयर की दर से फॉक्सकॉन होन हाई टेक्नोलॉजी इंडिया मेगा डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड के 120.35 करोड़ से अधिक शेयर खरीदे हैं। कर्नाटक सरकार ने पिछले सप्ताह बयान में कहा था कि फॉक्सकॉन डोड्डा बल्लापुर के निकट एक विशाल विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए 25,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है, जिससे 40,000 नौकरियां पैदा होंगी।

फॉक्सकॉन के चेयरमैन यंग लियू के बयान के हवाले से कहा गया, कर्नाटक में स्थित यह इकाई जल्द ही चीन के बाद फॉक्सकॉन का दूसरा सबसे बड़ा संयंत्र होगी। इससे 40,000 प्रत्यक्ष रोजगार, खास तौर पर मध्यम स्तर के शिक्षित व्यक्तियों के लिए पैदा होंगे। ...हमारा निवेश यहीं नहीं रुकेगा। भविष्य में, हम अन्य क्षेत्रों में भी संभावनाएं तलाशने की योजना बना रहे हैं। हालिया निवेश के साथ, फॉक्सकॉन सिंगापुर ने कर्नाटक इकाई में कुल 13,800 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। कर्नाटक सरकार ने राज्य में अपनी आगामी मोबाइल विनिर्माण इकाई के लिए फॉक्सकॉन को 300 एकड़ जमीन आवंटित की है।

रमेश ने सरकार से कहा: पकड़े गए हाथियों की आनुवंशिक प्रोफाइलिंग पर स्पष्टीकरण दिया जाए

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने शुक्रवार को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव से आग्रह किया कि वे पकड़े गए हाथियों के लाने-ले जाने पर राज्यों को भेजे गए उस हालिया परिपत्र पर स्पष्टीकरण दें, जिसमें बताया गया है कि उनका मंत्रालय प्रत्येक हाथी की आनुवंशिक प्रोफ़ाइलिंग कैसे कर रहा है और कौन इस डेटा को तैयार कर रहा है। यादव को लिखे पत्र में रमेश ने यह भी कहा कि 20 अगस्त को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने हाथी रेंज वाले राज्यों को पकड़े गए हाथी (स्थानांतरण या परिवहन) नियम, 2024 की याद दिलाई थी। उनका कहना है, विशेष रूप से खंड (7) के नियम और शर्तों, उप-खंड (3) के प्रावधान पर ध्यान आकर्षित किया गया है।

एसबीआई ऋण की मांग का समर्थन करने में सक्षम, कम जमा वृद्धि कोई चुनौती नहीं: चेयरमैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। जमा और ऋण वृद्धि के बीच बढ़ते फासले को लेकर फैली चिंताओं के बीच भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा कि यह देश के सबसे बड़े ऋणदाता के लिए कोई चुनौती नहीं है क्योंकि वह अग्रिमों में वृद्धि का समर्थन करने में सक्षम है।

खारा ने कहा कि बैंक ऋण वृद्धि का समर्थन करने के लिए जरूरी संसाधन की व्यवस्था करने के लिए सरकारी प्रतिभूतियों में अपने अतिरिक्त निवेश का एक हिस्सा निकाल रहा है। लगभग दो वर्षों से जमा वृद्धि बैंकिंग प्रणाली के लिए ऋण वृद्धि से पीछे चल रही है। एसबीआई भी अपने कारोबार में समान रुझान देख रहा है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह बचत के उच्च उपज वाले पूंजी बाजार विकल्पों में प्रवाह के कारण है, जबकि एसबीआई के शोधकर्ताओं ने इन चिंताओं को 'सांख्यिकीय मिथक' कहा है। इस बारे में पूछे जाने पर एसबीआई चेयरमैन ने कहा, ''हम कर्ज बही-खाते में वृद्धि का अच्छी तरह से समर्थन करने की स्थिति में हैं। जबतक हम ऋण वृद्धि का अच्छी तरह से समर्थन कर सकते हैं, मुझे नहीं लगता कि हमारे सामने कोई चुनौती है।'' बैंक के पास 16 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश है, और ऋण वृद्धि का समर्थन करने के लिए अतिरिक्त वैधानिक तरलता अनुपात का एक

इसरो ने चंद्रयान-3 मिशन का वैज्ञानिक डेटा दुनियाभर के शोधकर्ताओं के लिए सार्वजनिक किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) ने भारत के चंद्रयान-3 मिशन की सफलता की पहली वर्षगांठ पर शुक्रवार को मिशन से संबंधित वैज्ञानिक डेटा को विश्लेषण के वास्ते दुनियाभर के अनुसंधानकर्ताओं के लिए सार्वजनिक कर दिया।

एजेंसी ने विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर पर लगे पांच पेलोड से हासिल 55 गीगाबाइट (जीबी) से अधिक डेटा सार्वजनिक किया है। पिछले साल 23 अगस्त को चंद्रयान-3 मिशन के चंद्रमा के दक्षिणी क्षेत्र पर उतरने के साथ ही भारत ने इतिहास रच दिया था। इसरो के प्रमुख एस.एस. सोमनाथ ने यहां राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह में कहा, यह डेटा उन वैज्ञानिकों तक ही सीमित नहीं रहेगा जिन्होंने उन उपकरणों को बनाए थे, बल्कि इसे विश्लेषण के लिए देश और दुनिया के सभी शोधकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। चंद्रयान-3 डेटा सेट भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान डेटा सेंटर (आईएसएसडीसी) की नीति-आधारित डेटा पुनर्प्राप्ति, विश्लेषण, प्रसार एवं अधिसूचना प्रणाली (प्रदान) पोर्टल पर उपलब्ध हैं। प्रज्ञान रोवर ने चंद्रमा की सतह का स्थलीय रासायनिक विश्लेषण किया, जिससे चंद्रमा की उत्पत्ति एवं विकास की बेहतर समझ हासिल हुई है। यह जानकारी भविष्य में चंद्रमा पर अन्वेषण और संभावित संसाधन के उपयोग के लिए महत्वपूर्ण है। अहमदाबाद की भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-3 के डेटा का अध्ययन करने के बाद अनुमान लगाया है कि चंद्रमा मैग्मा के विशाल महासागर से विकसित हुआ जो बाद में ठंडा हो गया था।

केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने अंतरिक्ष दिवस पर चंद्रयान-3 में योगदान के लिए सीपीएसई को सराहा

बेंगलूरु। केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने शुक्रवार को पहले 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के मौके पर भारत के मिशन चंद्रमा को सफल बनाने में चार केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (सीपीएसई) के योगदान की सरहाना की।

भारत पिछले वर्ष 23 अगस्त को चांद पर उतरने वाला दुनिया का चौथा देश और इसके दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में उतरने वाला पहला देश बना था। इस ऐतिहासिक उपलब्धि की याद में प्रधानमंत्री मोदी ने 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उनके मंत्रालय के तहत इन सीपीएसई ने इस उपलब्धि को हासिल करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

मैपमाईइंडिया के दावों में दम नहीं, नोटिस का कोई जवाब नहीं मिला: ओला संस्थापक

नई दिल्ली/भाषा। ऑनलाइन कैब सेवा प्रदाता ओला के सह-संस्थापक भाविश अग्रवाल ने मैपमाईइंडिया की नकल करने के दावों को खारिज करते हुए कहा है कि मैप कंपनी ओला इलेक्ट्रिक की सूचीबद्धता का फायदा उठाने की कोशिश कर रही है। ओला ब्रांड का परिचालन करने वाली कंपनी एएनआई टेक्नोलॉजीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा कि कंपनी ने नकल के दावों पर मैपमाईइंडिया को कानूनी नोटिस भेजा है, लेकिन उसका कोई जवाब नहीं मिला है। अग्रवाल ने कहा, ''ओला इलेक्ट्रिक नक्शा सेवा देने के कारोबार में नहीं है। ओला इलेक्ट्रिक का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के समय वे सिर्फ इसका फायदा उठाना चाहते थे। हमने उन्हें कानूनी नोटिस भी दिया है, लेकिन उनका जवाब आज तक नहीं आया है।'' ओला की ई-वाहन इकाई ओला इलेक्ट्रिक नौ अगस्त को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हुई। कंपनी ने अपने आईपीओ से करीब 5,500 करोड़ रुपए जुटाए हैं। ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ मसौदा दायर करने से तीन दिन पहले 23 जुलाई को मैपमाईइंडिया ने उन्हें नोटिस भेजा था। घरेलू डिजिटल नक्शा कंपनी मैपमाईइंडिया ने भारत का नेविगेशन मानचित्र विकसित करने के ओला की मूल कंपनी एएनआई टेक्नोलॉजीज के दावों पर सवाल उठाते हुए उसे 'नौटंकी' बताया है।

उत्तराखंड में भारी बारिश : भूस्खलन में चार की मौत, एक व्यक्ति गंगा नदी में बहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रुद्रप्रयाग/देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश के दौरान रुद्रप्रयाग जिले में भूस्खलन की चपेट में आने से चार नेपाली मजदूरों की मृत्यु हो गयी जबकि हरिद्वार जिले में एक व्यक्ति उफनती नदी में नहाते समय बह गया। भारी बारिश से जगह-जगह भूस्खलन होने से बदरीनाथ, केदारनाथ और यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग भी यातायात के लिए बाधित हो गया।

यहां राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, हरिद्वार जिले के रूड़की के पास हरि अक्षय नगर फेज-1 के 70 घरों में बृहस्पतिवार रात को पथरी नदी का पानी भर गया। पानी से कॉलोनी की चारदीवारी भी टूट गयी। नदी का पानी निकटवर्ती खेतों में भी भर गया जिससे फसलों को नुकसान पहुंचा।

केंद्र के अनुसार, टिहरी जिले के बाणगंगा क्षेत्र में गेंवली गांव में भारी बारिश से आधा दर्जन से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हो गए।

रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ के रास्ते में फाटा गांव में हेलीपैड के पास पहाड़ी से भूस्खलन होने से उसके मलबे के नीचे दबने से नेपाल के चार मजदूरों की मृत्यु हो गयी। रुद्रप्रयाग के आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि बृहस्पतिवार मध्यरात्रि के बाद करीब 1.20 बजे हुई घटना की सूचना मिलने पर राज्य आपदा प्रतिवादन बल(एसडीआरएफ) की टीम मौके पर पहुंची और मलबे के अंदर से उनके शव बरामद किए। रजवार ने बताया कि मृतकों की पहचान तुल बहादुर, पूर्णा नेपाली, कृष्ण परिधार और दीपक बूरा के रूप में हुई है। परिचालन केंद्र ने बताया कि हरिद्वार जिले के लक्सर के कांगदी क्षेत्र में वर्षा से उफनाई गंगा नदी में नहाते समय राहुल नाम का एक व्यक्ति बह गया। एसडीआरएफ तथा जल पुलिस की मदद से नदी में बहे व्यक्ति की तलाश की जा रही है। राहुल हरिद्वार जिले के शेरपुर बेला गांव का निवासी था। उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों में बृहस्पतिवार रात को मूसलाधार बारिश हुई जिससे जगह-जगह हुए भूस्खलन के कारण केदारनाथ, बदरीनाथ और यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए अवरुद्ध हो गए। केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग शेरसी और ब्यूंगाड में भूस्खलन का मलबा आने से अवरुद्ध हो गया जबकि बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग नंदप्रयाग, हनुमानचट्टी व कंचनगंगा में बाधित है। भारी बारिश के कारण यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग का एक हिस्सा बनस नामक स्थान पर बह गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध

FLATS FOR SALE
PURVA BLUBELLE
Adjacent to **Magadi road Metro station**
Rajajinagar Centre of the City
3 bedroom & Exclusive 5 bedroom Flats + servant room with all luxurious Amenities,
Contact : 9844027560

बंद के खिलाफ उच्च न्यायालय का आदेश विपक्ष के गाल पर तमाचा, सरकार आदेश को लागू करेगी : शिंदे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नासिक/भाषा। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बदलापुर घटना के सिलसिले में किसी भी व्यक्ति या दल पर महाराष्ट्र बंद बुलाने का आह्वान करने पर रोक लगाने संबंधी बंबई उच्च न्यायालय के आदेश को शुक्रवार को विपक्ष के गाल पर 'तमाचा' करार दिया और कहा कि सरकार इस निर्देश को लागू करेगी।

शिवसेना (यूबीटी), राकांपा (एसपी) और कांग्रेस के गठबंधन 'महा विकास आघाडी (एमवीए) ने शनिवार को बंद का आह्वान किया है। लेकिन बंबई उच्च न्यायालय ने राजनीतिक दलों या व्यक्तियों को महाराष्ट्र बंद का आह्वान करने से रोक दिया है। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से बंद को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाने को कहा है। शिंदे ने यहां 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' को शुरू करने के मौके पर एक जनसभा में कहा कि बदलापुर घटना 'मानवता पर धब्बा' है। उन्होंने कहा, ''लाडकी बहन योजना के तहत लाभार्थी महिलाओं के खातों में 1500 रुपए अंतरित कर हमने जो खुशी लायी, उस पर भी इसका असर पड़ा है। लेकिन विपक्ष इस घटना का राजनीतिकरण कर रहा है और इस योजना को बदनाम कर रहा है।'' शिंदे ने कहा उच्च न्यायालय का आदेश 'विपक्ष के गाल पर एक तमाचा' है। उनकी सरकार अदालत के निर्देश को लागू करेगी। बदलापुर में छोटी कक्षाओं की दो बच्चियों का कथित रूप से यौन उत्पीड़न किया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलापुर मामले के आरोपी पर कानून के कड़े प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है और सरकार उसे मृत्युदंड देने की मांग करेगी।

भाद्रपद कृष्ण - 5 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 32 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 24-08-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 अगर जय शाह आईसीसी चेयरमैन बने तो बीसीसीआई सचिव पद के लिए कोई स्पष्ट दावेदार नहीं

6 चांद को चीन का ग्रहण, निकाल रहा है हीलियम

7 मुंबई का स्पेशल नाश्ता जेनिफर विंगेट की सुबह को बनाता है शानदार

फर्स्ट टेक

जगन्नाथ मंदिर रत्न भंडार से खाली संदूक, अलमारियां स्थानांतरित की गईं

पुरी/भाषा। पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार (कोषागार) से खाली लोहे के संदूक और अलमारियों को 12वीं सदी के मंदिर परिसर में स्थित नीलाद्रि विहार संग्रहालय के पास एक कमरे में स्थानांतरित कर दिया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। जुलाई में रत्न भंडार को 46 वर्षों के बाद मूल्यवान वस्तुओं की सूची बनाने और उसके ढांचे की मरम्मत के लिए पुनः खोला गया था। तब उन पात्रों में रखे आभूषण और अन्य कीमती वस्तुओं को दो चरणों में मंदिर के अंदर अस्थायी सुरक्षित कमरों में स्थानांतरित कर दिया गया था। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक एवं आईएएस अधिकारी अरबिंद पाढी ने बताया कि मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए, उच्चाधिकार प्राप्त समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ की उपस्थिति में लोहे की खाली संदूक के साथ लोहे और लकड़ी की अलमारियों को स्थानांतरित किया गया।

घुसपैठ की कोशिश नाकाम, चार बांग्लादेशी नागरिक सहित छह गिरफ्तार

शिलांग/भाषा। मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स में भारत की सीमा में प्रवेश करने वाले चार बांग्लादेशी नागरिकों सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ये गिरफ्तारियां रातचेरा क्षेत्र में की गईं। अधिकारियों ने बताया कि प्राप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए इलाके में तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने चार बांग्लादेशी नागरिकों को उनके दो स्थानीय साथियों के साथ पकड़ लिया, जिन्होंने अवैध प्रवेश में उनकी मदद की थी। हिरासत में लिए गए लोगों को बाद में स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया।

जर्मनी में नाटो के 'एयर बेस' पर सुरक्षा बढ़ाई गई

बर्लिन/एपी। पश्चिम जर्मनी में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के 'एयर बेस' पर 'संभावित खतरे' की खुफिया सूचना के मद्देनजर इसकी सुरक्षा बढ़ा दी गयी है और मिशन के लिए गैर-जरूरी सभी कर्मचारियों को एहतियात के तौर पर घर भेज दिया गया है। नाटो ने यह जानकारी दी है। नीदरलैंड की सीमा के पास गिलेनकिर्चेन एयर बेस वह जगह है, जहां नाटो के 'एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम' (अवाक्स) विमान हैं। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर नाटो अवाक्स बेड़े के हैंडल से बृहस्पतिवार को जारी एक पोस्ट में कहा गया है, ''हमने सुरक्षा स्तर बढ़ा दिया है।''

सूर्यास्त 24-08-2024	सूर्योदय 25-08-2024
6:35 बजे	6:08 बजे

BSE	NSE
81,086.21 (+33.02)	24,823.15 (+11.65)

सोना	चांदी
7,374 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	85,767 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सीधा प्रश्न

कश्मीर हमारा है फिर क्यों,
तुम देते गलत बयान कहो ?
भारत के क्या हो तुम दुश्मन,
या सेवक पाकिस्तान कहो ?
केवल विपक्ष में रहने से,
क्यों कड़वी सिर्फ जुबान कहो ?
इतिहास करेगा नहीं माफ,
है इसका थोड़ा भान कहो ??

यूक्रेन संकट के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भूमिका निभाने को तैयार है भारत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युद्ध में फंसे यूक्रेन को भारत की ओर से हर संभव मानवीय सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा देते हुए राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को शुक्रवार को कहा कि यूक्रेन रूस के बीच युद्ध का समाधान बातचीत के जरिए निकाला जाना चाहिए।

मोदी ने कहा कि भारत यूक्रेन युद्ध का बातचीत से समाधान करने के पक्ष में है और इसमें मित्र की भांति सक्रिय भूमिका निभाने के लिए हमेशा तत्पर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा राष्ट्रों की भौगोलिक अखंडता और संप्रभुता का सम्मान किये जाने के सिद्धांत में दृढ विश्वास रखता है।

यूक्रेन की एक दिवसीय यात्रा पर आए मोदी ने राष्ट्रपति जेलेंस्की से बातचीत में कहा कि उन्होंने मास्को की अपनी यात्रा में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी कहा था कि यह युद्ध का नहीं शांति का समय है।

मोदी ने कहा कि भारत शुरू से युद्ध से दूर रहा है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि भारत तटस्थ रहा है, भारत का पक्ष शांति का पक्ष है, भारत शांति के साथ खड़ा है। उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति से कहा एक मित्र के नाते भारत और स्वयं वह शांति के प्रयास में हर संभव भूमिका निभाने के लिए सदैव तैयार हैं।

प्रधानमंत्री ने अपनी कीव यात्रा को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि पहली बार भारत का कोई प्रधानमंत्री यूक्रेन की धरती पर आया है। उन्होंने यूक्रेन में अपने स्वागत के लिए राष्ट्रपति जलेंस्की का आभार व्यक्त किया। मोदी ने यूक्रेन रूस युद्ध शुरू होने के प्रारंभिक दिनों में यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्र-छात्राओं को निकालने में जेलेंस्की की ओर दिखाए गए सहयोग के भाव के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

रक्षा उत्पादन में सहयोग पर भारत यूक्रेन सहमत

कीव/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमीर ज़ेलेन्स्की की बहुचर्चित शिखर बैठक के बाद दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक साझीदारी के उन्नत करके रणनीतिक साझीदारी के स्तर पर ले जाने और सैन्य उत्पादन क्षेत्र संयुक्त उपक्रम स्थापित करने पर सहमति जतायी। दोनों नेताओं की द्विपक्षीय शिखर बैठक के बाद भारत यूक्रेन संयुक्त घोषणापत्र में यह कहा गया। दोनों देशों ने शिखर बैठक के बाद आपसी सहयोग के कुछ समझौतों पर भी हस्ताक्षर किये।

घोषणापत्र के अनुसार दोनों नेताओं के बीच मौजूदा सैन्य संघर्ष को समाप्त कर शांति स्थापित करने के बारे में भी काफी चर्चा हुई है। घोषणापत्र में कहा गया, प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र सहित क्षेत्रीय अखंडता और राज्यों की संप्रभुता के सम्मान जैसे अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों को बनाए रखने में आगे सहयोग के लिए अपनी तत्परता दोहराई। वे इस संबंध में करीबी द्विपक्षीय बातचीत की वांछनीयता पर सहमत हुए।

घोषणापत्र के अनुसार भारतीय पक्ष ने अपनी सैद्धांतिक स्थिति दोहराई और संघर्ष के बातचीत और कूटनीति के माध्यम से शांतिपूर्ण समाधान पर ध्यान केंद्रित किया। भारत ने इसी सैद्धांतिक प्रतिबद्धता के आधारपर जून 2024 में स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक में आयोजित यूक्रेन में शांति शिखर सम्मेलन में भाग लिया था।

प्रधानमंत्री ने कीव की पहली यात्रा के दौरान यूक्रेन को 'भीष्म क्यूब' भेंट किए

कीव/नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को यूक्रेन की अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की और सरकार को चार भीष्म (भारत स्वास्थ्य सहयोग हित और मैत्री पहल) क्यूब्स भेंट किए। प्रधानमंत्री सुबह पोलैंड से विशेष ट्रेन से कीव पहुंचे और वहां यूक्रेन के प्रथम उपप्रधानमंत्री ने उनका स्वागत किया।

विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि मोदी ने यूक्रेन सरकार को चार 'भीष्म क्यूब्स' भेंट किए। बयान में कहा गया है कि प्रत्येक भीष्म क्यूब में सभी प्रकार की चोटों और चिकित्सा स्थितियों के लिए प्राथमिक देखभाल से जुड़ी दवाइयां और उपकरण शामिल हैं। बयान के मुताबिक, इसमें बुनियादी ऑपरेशन कक्ष के लिए सर्जिकल उपकरण भी शामिल हैं जो प्रतिदिन 10-15 बुनियादी सर्जरी सुनिश्चित कर सकते हैं। 'भीष्म क्यूब' में तरह-तरह की आपातकालीन चिकित्सीय स्थिति जैसे आघात लगने, रक्तस्राव होने, जल जाने, हड्डी टूटने, इत्यादि के लगभग 200 मरीजों का इलाज करने की क्षमता है। इसमें सीमित मात्रा में अपनी जरूरत की बिजली और ऑक्सीजन भी उत्पन्न हो सकती है।

फोरेंसिक विज्ञान सच्चाई एवं इंसाफ का है आधारस्तंभ : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। फोरेंसिक विज्ञानियों से आतंकवाद और संगठित अपराधों का मुकाबला करने तथा पर्यावरण क्षरण एवं साइबर अपराधों को रोकने के लिए अपने कौशल का इस्तेमाल करने का आह्वान करते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि फोरेंसिक विज्ञान न केवल तकनीकी क्षेत्र है बल्कि यह सच्चाई एवं इंसाफ का आधारस्तंभ भी है।

धनखड़ ने कहा कि फोरेंसिक विज्ञान सुनिश्चित करता है कि अपराधियों को इंसाफ के कठघरे तक पहुंचाया जाए और इससे भी अधिक बड़ी बात है कि यह बेगुनाही भी साबित करने में मदद करता है। उन्होंने कहा, ''जो समाज किसी निर्दोष की पुकार नहीं सुन सकता, वह समाज पतन की दहलीज पर पहुंच जाता है।''

धनखड़ ने 'नेशनल फोरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू)' में विशेष व्याख्यान के दौरान भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के पारित होने की प्रशंसा करते हुए कहा, ''इसने हमें हमारी क्रूर औपनिवेशिक विरासत से मुक्ति दिलायी है।'' उपराष्ट्रपति ने कहा, ''हम (तीन आपराधिक कानूनों के पारित होने के साथ) औपनिवेशिक विरासत से मुक्त हो गए, हमने अपनी स्वतंत्रता को परखा है। 'दंड विधान' अब 'न्याय विधान' बन गया। यह सिर्फ एक बदलाव नहीं है, बल्कि एक बड़ा बदलाव, एक बहुत जरूरी बदलाव है, जिसने हमें उस क्रूर औपनिवेशिक विरासत से मुक्त कर दिया जहां कानून का निर्धारण कारक यह था कि जनता से सख्ती से कैसे निपटा जाए।''

भारतीय सेना का छोटा ड्रोन गलती से पाकिस्तानी क्षेत्र में गिरा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय सेना का एक छोटा ड्रोन तकनीकी खराबी आने के चलते अनजाने में जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा को पार करके पाकिस्तानी क्षेत्र में चला गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। खबरों के अनुसार पाकिस्तानी सैनिकों ने ड्रोन बरामद कर लिया है। भारतीय सेना ने ड्रोन लौटाने के लिए पाकिस्तानी सेना को 'हॉटलाइन' पर एक संदेश दिया है। अधिकारी ने कहा, सुबह 9:25 बजे, एक छोटा ड्रोन भारतीय क्षेत्र में प्रशिक्षण अभियान पर था और उसमें तकनीकी खराबी आने के कारण उस पर नियंत्रण नहीं रहा जिससे ड्रोन पाकिस्तान के निकियाल सेक्टर की ओर चला गया। उन्होंने कहा, मीडिया में आयी जानकारी के अनुसार, पाकिस्तानी सैनिकों ने उक्त ड्रोन बरामद कर लिया है। उक्त ड्रोन लौटाने के लिए पाकिस्तानी सेना को हॉटलाइन पर एक संदेश दिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, ड्रोन भिंबर गली इलाके के अंदरुनी हिस्सों में प्रशिक्षण उड़ान पर था।

अंतरिक्ष मिशनों को कचरा-मुक्त बनाने की दिशा में बढ रहा है भारत : मुर्मु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अंतरिक्ष में कचरे को अंतरिक्ष मिशनों के लिए समस्या करार देते हुए शुक्रवार को कहा कि भारत वर्ष 2030 तक अपने सभी अंतरिक्ष मिशनों को कचरा-मुक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को यहां भारत मंडपम में पहले राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह में हिस्सा लिया। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पिछले वर्ष 23 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर 'विक्रम' लैंडर के सफलतापूर्वक उतरने की याद में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने 'रोबोटिक्स चैलेंज' और 'भारतीय अंतरिक्ष हैकाथॉन' के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमें भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहना होगा। अंतरिक्ष में कचरा अंतरिक्ष मिशनों के लिए समस्याएँ पैदा कर सकता है। उन्होंने 'सुरक्षित और सतत संचालन प्रबंधन के लिए इसरो प्रणाली' की सराहना की, जिसका संचालन अंतरिक्ष अनुसंधान गतिविधियों की निरंतर प्रगति सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत वर्ष 2030 तक अपने सभी अंतरिक्ष मिशनों को कचरा-मुक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि इसरो ने अंतरिक्ष क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने के साथ ही देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में भी अपना अमूल्य योगदान दिया है।

उन्होंने उन समर्पित वैज्ञानिकों की सराहना की जिन्होंने न्यूनतम संसाधनों का उपयोग करके भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ अंतरिक्ष कार्यक्रमों में शामिल किया।

भारत-अमेरिका मिलकर वैश्विक शांति, समृद्धि और स्थिरता को सुनिश्चित कर सकते हैं : रक्षा मंत्री राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत और अमेरिका मिलकर विश्व में शांति, समृद्धि और स्थिरता को सुनिश्चित कर सकते हैं। अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान सिंह ने भारतीय समुदाय से संवाद के दौरान कहा कि भारत और अमेरिका ''स्वाभाविक सहयोगी एवं मजबूत साझेदार'' हैं और यह सहयोग लगातार बढ़ रहा है।

रक्षा मंत्री ने कहा, ''भारत और अमेरिका दो ताकतें हैं जो विश्व में शांति, समृद्धि और स्थिरता ला सकती हैं।'' चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर बृहस्पतिवार को यहां पहुंचे सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वैश्विक मंच पर भारत का कद बढ़ा है। उन्होंने कहा, ''पहले अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बातों पर ध्यान नहीं दिया जाता था, लेकिन आज पूरी दुनिया ध्यान से भारत को सुनती है।'' रक्षा मंत्री ने दावा किया कि 2014 से पहले निवेश कंपनी 'मॉर्गन स्टेनली' ने भारत को ''पांच कमजोर अर्थव्यवस्था'' वाले देशों में शुमार किया था लेकिन आज यह खुद को दुनिया की ''शानदार पांच'' अर्थव्यवस्थाओं में पाता है। उन्होंने कंपनी की हालिया रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि भारत 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। सिंह ने जोर देकर कहा कि कोविड-19 महामारी से निपटने में सरकार के कदमों से अन्य देशों की तुलना में भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा।

भारतीय यात्रियों को लेकर जा रही बस नदी में गिरी, 27 की मौत, 16 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू/एजेन्सी। नेपाल के तनाहुन में एक सड़क दुर्घटना में 27 भारतीयों की मौत हो गई है जबकि 16 अन्य यात्री घायल हुए हैं जिन्हें इलाज के लिए काठमांडू लाया गया है।

भारतीय दूतावास ने यह जानकारी देते हुए यात्रियों की मौत पर शोक प्रकट किया है और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

दूतावास ने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में घायल 16 यात्रियों को आगे के इलाज के लिए त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल में हवाई मार्ग से काठमांडू लाया गया है।

भारतीय दूतावास नेपाल घायलों के इलाज और मृतकों के शवों को जल्द से जल्द भारत भेजने के लिए स्थानीय अधिकारियों और अस्पताल के कर्मचारियों के साथ लगातार संपर्क में है।

भारतीय दूतावास ने आपातकालीन राहत नंबर स्थापित किये हैं जो 24 घंटे कार्यशील हैं
: +977-9851107021
+977-9851316807
+977-9749833292

एफडीआई नियमों का उल्लंघन कर रहीं हैं ई-कॉमर्स कंपनियां : गोयल

मुंबई/भाषा। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अमेजन जैसी ई-कॉमर्स कंपनियों को लेकर चिंता जताते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं ने देश के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) कानूनों का पूरी तरह से पालन नहीं किया है। मंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं को यह 'सोचना' चाहिए कि उनकी खरीद से किसे लाभ होता है और उन्होंने जो बहस शुरू की है उससे सबक लेना चाहिए।

यहां चार्टर्ड अकाउंटेंट के एक कार्यक्रम को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में गोयल ने कहा कि भारतीय कानून में यह प्रावधान है कि विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए देश में केवल कंपनियों के बीच (बी2बी) लेन-देन की ही अनुमति है।

गोयल ने कहा, दुख की बात है कि कानून का पूरी तरह से अक्षरशः पालन नहीं किया गया है। इसके अनुरूप ढांचे बनाए गए हैं जो छोटे व्यापारियों और छोटे खुदरा विक्रेताओं के हितों के लिए हानिकारक हैं।

सीबीआई मामले में केजरीवाल को राहत नहीं

नई दिल्ली/एजेन्सी। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति कथित घोटाला मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की गिरफ्तारी की वैधता को चुनौती देने वाली और इसी मुकदमे में जमानत की मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की दो अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई पांच सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी है। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने उनकी याचिकाओं पर संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद शुक्रवार को कहा कि वह इस मामले में अगली सुनवाई पांच सितंबर को करेगी, ताकि जवाबी हलफनामा दाखिल किया जा सके।

आइसलैंड में फिर से ज्वालामुखी फटा

ग्रिंडाविक/एपी। दक्षिण-पश्चिमी आइसलैंड के रेक्जनेस प्रायद्वीप में बृहस्पतिवार शाम ज्वालामुखी फटा, जिससे लाल लावा बाहर निकालने लगा। दक्षिण-पश्चिमी आइसलैंड में दिसंबर से छठी बार ज्वालामुखी फटा है। रेक्जनेस प्रायद्वीप में कई शक्तिशाली भूकंप आने के बाद रात नौ बजे ज्वालामुखी फटा और एक घंटे के भीतर सुंधनुकुर क्रेटर में चार किलोमीटर तक लंबी दरार आ गई।

'अधिकारी करदाता के प्रति सकारात्मक रहें'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने शुक्रवार को उदयपुर में हिरणमगरी सेक्टर 14 में नवनिर्मित जीएसटी भवन का दीप प्रज्वलित कर तथा फीता काटकर लोकार्पण किया। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि करदाताओं की सहूलियत के लिए 2019 से ही जीएसटी के कार्यालयों को सुविधाजनक बनाया जा रहा है। इससे करदाताओं के मन में कोई सवाल हो या कोई समस्या हो तो आसानी से उनका समाधान करा सके। उन्होंने कहा कि अधिकारी और करदाताओं के बीच माहौल सकारात्मक होने से समस्या के समाधान करने में दिक्कत नहीं आएगी। जीएसटी कॉसिल में भी अधिकारी और मंत्री समस्याओं का तत्काल समाधान कर रहे है। वित्त मंत्री ने कहा कि यहाँ के सीमेंट, टायर, फर्टिलाइजर्स, उद्योग एवं खनिज क्षेत्र का जीएसटी में बड़ा योगदान है लेकिन अब छोटे उद्योग भी विकसित हो रहे है। उन्होंने कहा कि अब मोबाइल एप के आने से एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट में मदद मिली है। उदयपुर में सबसे ज्यादा जीएसटी रेवन्यू जिंक से आता है इसके अलावा कोल्ड ड्रिंक और पान मसाला से भी काफी मात्रा में जीएसटी आता है। उन्होंने कहा कि जीएसटी का प्रभावी क्रियान्वयन होना चाहिए और अधिकारी करदाता के प्रति सकारात्मक रहे, जिससे कठोर कदम उठाने की आवश्यकता ही न पड़े। उन्होंने

कहा कि आज जो आइस टैब एप लाँच किया है, इससे आयातक निर्यातकों को माल तत्काल भेजने में सहायता मिलेगी। वित्त मंत्री ने बताया कि उदयपुर में बने इस भवन के लिये हमने 42 करोड़ रूपए की मंजूरी दी थी लेकिन यह लगभग 32 करोड़ रुपए में ही बन गया। उन्होंने कहा कि करदाताओं की समस्याओं का तत्काल समाधान होना चाहिए इससे इसे शंका समस्या में नहीं बदलेगी। उन्होंने कहा कि जीएसटी अधिकारियों को ऐसी सोच रखनी चाहिए कि वो करदाताओं की मदद के लिए तत्पर रहे जिससे व्यवसाय को बढ़ावा मिलेगा। इस दौरान केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि इस भवन में हमने करदाताओं की सुविधा के लिए प्रावधान किये हैं एवं पर्यावरण का भी ध्यान रखा गया है। उन्होंने जीएसटी संग्रहण के बारे में अवगत करवाया। इस अवसर पर उदयपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ.मन्नालाल रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री का विजन है कि 2047 तक विकसित भारत का सपना पूरा करने के लिए हमें तीन गुना गति से काम करना होगा। उन्होंने कहा कि उदयपुर में महाराणा प्रताप को केंद्र में रखकर पर्यटन हब बनाया जाए इसके लिए वित्तमंत्री से मदद करने का आग्रह किया। राज्यसभा सदस्य चुन्नीलाल गरासिया ने कहा कि देश में जीएसटी का संग्रहण लगातार बढ़ रहा है, जिससे देश आर्थिक उन्नति की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने वित्तमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि यह क्षेत्र खनिज का क्षेत्र है, खनिज क्षेत्र में सहयोग की आवश्यकता है। इस अवसर पर उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, उदयपुर जिला कलेक्टर अरविन्द पोसवाल, महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन के लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ भी उपस्थित रहे।जले के नाथद्वारा का दौरा किया और श्रीनाथजी मंदिर में पूजा-अर्चना की। उदयपुर जिले के प्रवास पर पहुंची केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन से गुरुवार देर शाम सांसद डॉ.मन्नालाल रावत के नेतृत्व में शहर के युवा व्यवसायी और चित्रकार सूरज सोनी सहित अन्य युवाओं ने शिष्टाचार भेंट की। सांसद डॉ. रावत ने चित्रकार का परिचय कराया और मेवाड़ अंचल की चित्रशैलियों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर चित्रकार सूरज सोनी ने केंद्रीय मंत्री को भगवान श्रीनाथजी की पिछवाई भेंट कर उसकी महत्ता बताई। केंद्रीय मंत्री श्रीनाथजी की पिछवाई देखकर बड़ी अभिभूत हुई और उन्होंने इस छवि में शरद श्रृंगार को बहुत देर तक निहारकर चित्रकार के कलाकौशल की तारीफ की। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री ने चित्रशैली की बारीकियाँ भी जानी। उन्होंने इस पिछवाई को अपने पूजा घर में रखने की बात कहते हुए चित्र को नमन किया। चित्रकार सोनी ने वित्त मंत्री को पिछवाई से संबंधित पुस्तकों के संग्रह के बारे में भी बताया, जिस पर उन्होंने बड़ी उत्सुकता से जानकारी प्राप्त की।

चार साल की बच्ची से रिश्तेदार ने दुष्कर्म किया, आरोपी हिरासत में

जयपुर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में चार वर्षीय एक बच्ची से उसके रिश्तेदार द्वारा कथित तौर पर दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के बताया कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और बच्ची को सूरतगढ़ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसने बताया कि घटना बृहस्पतिवार रात की है। पुलिस ने बताया कि पीड़िता की मां शाम को किसी काम से बाहर गई और रात करीब नौ बजे जब वह घर लौटी तो देखा कि बच्ची घर के अंदर घायल अवस्था में थी तथा रो रही थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है जो पीड़िता का रिश्तेदार है और उनके घर के पास ही रहता है।

प्राथमिकी के अनिवार्य पंजीकरण के राजस्थान मॉडल को देशभर में लागू किया जाए : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पुलिस थानों में परिवादी की प्राथमिकी अनिवार्य रूप से दर्ज किए जाने के राजस्थान मॉडल को देशभर में लागू किए जाने की मांग शुक्रवार को फिर दोहराई। इसके साथ ही, गहलोत ने राजस्थान की नयी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार से भी मांग की है कि वह पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय लागू की गई प्राथमिकी के अनिवार्य पंजीकरण की नीति को जारी रखे।

कोलकाता और मुंबई में पुलिस द्वारा प्राथमिकी दर्ज करने में देरी किए जाने से जुड़ी खबरों को साझा करते हुए गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, पुलिस की लापरवाही के ऐसे उदाहरणों को देखकर ही राजस्थान में हमारी पूर्ववर्ती सरकार ने प्राथमिकी दर्ज करना अनिवार्य किया था और व्यवस्था की थी कि यदि थाने में प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाए तो पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्राथमिकी दर्ज होगी और थानाधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी।

गहलोत के अनुसार, इसका परिणाम यह हुआ कि थाने में पीड़ितों की सुनवाई होना सुनिश्चित हो गया और अपराधों की शिकायत दर्ज होना शुरू हुई। मीडिया और विपक्षी दलों ने दर्ज प्राथमिकी के आंकड़े बढ़ने को हमारी सरकार के खिलाफ प्रचारित किया जिसका हमें राजनीतिक नुकसान हुआ परंतु मुझे आज भी संतोष है कि इस नीति से तमाम पीड़ितों को न्याय मिलना सुनिश्चित हुआ। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने केंद्र सरकार के सामने पत्र लिखकर, बैठकों में मांग रखी कि पूरे देश में प्राथमिकी के अनिवार्य पंजीकरण की नीति लागू की जाए जिससे पीड़ितों को न्याय मिलना सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत सरकार ने हमारी इस मांग को नहीं माना और आज भी ऐसी स्थिति अलग-अलग राज्यों से सुनने में आती रहती है। गहलोत ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता लागू करते समय भारत सरकार ने दावा किया था कि अब प्राथमिकी में देरी नहीं होगी लेकिन सच ऐसी घटनाओं के रूप में सबके सामने है।

कांग्रेस नेता ने कहा, मैं पुन: प्रधानमंत्री और गृह मंत्रालय से अपील करना चाहूंगा कि प्राथमिकी के अनिवार्य पंजीकरण के राजस्थान मॉडल को देशभर में लागू किया जाए। राजस्थान की भाजपा सरकार से यह सुनिश्चित करे कि हमारी सरकार के समय लागू की गई इस नीति यहां जारी रखे।

राइजिंग राजस्थान से होगा प्रदेश में नए विकास का उदय : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान प्रदेश के औद्योगिक विकास की गति को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में निवेश करने वाले उद्यमियों को भूमि, बिजली एवं पानी की उपलब्धता समयबद्ध एवं नीतिगत रूप से सुनिश्चित करवाई जाएगी, जिससे निवेश धरातल पर मूर्तरूप ले सके।

मुख्यमंत्री शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में वाइब्रेंट गुजरात एवं उत्तरप्रदेश इन्वेस्टर्स समिट की तर्ज पर राइजिंग राजस्थान के सफल आयोजन के लिए राज्य के अधिकारियों के प्रतिनिधिमण्डल के दौरे के बाद आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने निर्देश दिए कि समिट में निवेश के लिए भाग लेने वाले प्रतिभागी देशों के अनुरूप सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूरी कर ली जाए। साथ ही, इसके लिए अधिकारियों की विशेष टीम का गठन भी किया जाए।

शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राइजिंग राजस्थान के सफल आयोजन के लिए वॉर रूम स्थापित किया जाए, जहां उचित संसाधनों के साथ विशेषज्ञ टीम आयोजन से संबंधित सभी तैयारियों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध रूप से पूरा कर सकें। उन्होंने आयोजन का सभी माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को अब तक प्राप्त हो चुके निवेश प्रस्तावों को मूर्तरूप देने से संबंधित कार्यवाही को गति प्रदान करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समिट के लिए देश-विदेश में आयोजित होने वाले रोड-शो के आकर्षक और प्रभावी आयोजन से निवेशकों को आमंत्रित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि विदेशों से आने वाले निवेशकों के लिए इन्वेस्टमेंट इन्विटेशन पैकेज तैयार किए जाएं।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में सार्वजनिक क्षेत्र में भी निवेशकों को आमंत्रित किया जाए जिससे प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश हो सके। उन्होंने अधिकारियों को इसके लिए देश में सार्वजनिक क्षेत्र के बड़े उपक्रमों के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान में निवेश करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। प्रदेश में खनन, मेडिकल, पेट्रोलियम, फार्मा, एयरपोर्ट, पर्यटन, टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल, आईटी, शिक्षा, रेलवे एवं रक्षा क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को प्रबल बनाया जाये। मुख्यमंत्री ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा एवं राज्य में होटल इंडस्ट्रीज के विस्तार की संभावनाओं पर विशेष ध्यान देने के लिए निर्देशित किया।

स्थापितों तक शीघ्र पहुंचे सरकार की योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ : अरोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती अपर्णा अरोड़ा ने कहा कि मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए एवं वन्यजीवों के सुचारू संरक्षण के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है। राज्य सरकार को विस्थापन से सम्बंधित जो भी सुझाव मिले हैं उस पर विचार किया जा रहा है ताकि विस्थापन का पैकेज न्यायसंगत तथा आकर्षक हो। साथ ही, विस्थापितों को खातेदारी हक एवं अन्य मूलभूत सुविधाओ के लाभ प्राप्त हो सके। इस बारे में अतिरिक्त मुख्य सचिव ने अलवर, सवाईमाधोपुर, कोटा, झालावाड और बूंदी के प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए।

श्रीमती अपर्णा अरोड़ा की अध्यक्षता में शुक्रवार को सचिवालय में वन विभाग की समीक्षा बैठक हुई। इस दौरान उन्होंने विस्थापित होने वाले परिवारों से सम्बंधित लंबित भूमि हस्तांतरण प्रकरणों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि वन्यजीव संरक्षण एवं मानव-वन्यजीव संघर्ष को लेकर राज्य सरकार संवेदनशील है। वन्यजीवों के साथ वन्यजीव संरक्षित क्षेत्रों के आस पास रहने वाले नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं जिसके तहत विभाग के अधिकारियों द्वारा उन्हें वन्य जीवों के व्यवहार के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।

इस दौरान श्रीमती अरोड़ा ने वीसी के माध्यम से सम्बंधित जिला अधिकारियों से विस्थापित किये गए परिवारों एवं आने वाले समय में विस्थापित किये जाने वाले परिवारों को केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के लाभ एवं लंबित भूमि हस्तांतरण प्रकरण पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विस्थापित किये जा चुके परिवारों को आवंटित जमीनों के खातेदारी हक से सम्बंधित समस्याओं का शीघ्र ही समाधान करने पर जोर दिया ताकि उस क्षेत्र तक सरकार की योजनाएं पहुंच सकें एवं वहां ओर विकास हो सके। उन्होंने विभाग एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा उक्त सम्बन्ध में किये जा रहे प्रयासों की सराहना भी की।

श्रीमती अपर्णा अरोड़ा ने वन विभाग द्वारा संचालित राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने एवं बजट घोषणाओं को शीघ्र ही धरातल पर अमल में लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर विभाग के लंबित प्रकरणों को शीघ्र पूरा करें ताकि बजट घोषणाओं का लाभ आमजन तक पहुंच सकें। बजट घोषणाओं को धरातल पर लाने हेतु आवश्यक अनुमति की सम्बंधित पत्रावली शीघ्र प्रेषित की जावें।

जूनियर छात्रा के उत्पीड़न के आरोप में सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर निलंबित

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज (एसएमएस) के प्रशासन ने जूनियर छात्रा के उत्पीड़न के आरोप में एक सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर को निलंबित कर दिया है। कॉलेज प्रशासन ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कॉलेज प्रशासन की महिला उत्पीड़न समिति की सिफारिश पर एक जूनियर छात्रा द्वारा उत्पीड़न का आरोप लगाए जाने के बाद स्नातकोत्तर के द्वितीय वर्ष के डॉक्टर को निलंबित कर दिया है।

सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी ने कहा कि आरोपों के बाद समिति ने मामले की जांच की और सजा की सिफारिश की। उन्होंने कहा, समिति की सिफारिश पर स्नातकोत्तर के छात्र को तत्काल निलंबित कर दिया गया है। छात्र शैक्षणिक और अस्पताल की गतिविधियों में शामिल नहीं हो सकेगा। निलंबन की अवधि बाद में तय की जाएगी।

महिला रेजिडेंट डॉक्टर ने सीनियर डॉक्टर पर उसके साथ बुरा करने की धमकी देने का आरोप लगाया था। महिला रेजिडेंट डॉक्टर ने जार्ड के एक व्हाट्सएप ग्रुप में आरोप पोस्ट किया, जिसका स्क्रीनशॉट एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी को भेजा गया।

पेनोरमा बने पर्यटक और युवाओं के लिए प्रेरणा केन्द्र : दीया कुमारी

दीया कुमारी ने पेनोरमाओं के निर्माण के समय महापुरुषों के जीवन को आधुनिक/डिजीटल संसाधनों का उपयोग कर उत्तम तरीके से दिखाने की दिशा में काम करने के निर्देश दिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राज्य में ऐतिहासिक/धार्मिक/ पर्यटन महत्त्व के पेनोरमा और भव्य रूप से अधिक से अधिक जानकारी युक्त बनाये जाए। उन्होंने कहा कि इन पेनोरमाओं पर अधिक से अधिक संख्या में पर्यटक पहुंचे यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि राज्य में पर्यटकों और श्रद्धालुओं को राज्य के गौरवशाली इतिहास और स्थलों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिये समयबद्ध रूप से कार्य-योजना बनाकर उसकी क्रियान्विति की जावे। उन्होंने महाराणा प्रताप सर्किट का भव्य रूप से निर्माण किये जाने के भी निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी की अध्यक्षता में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, प्रमुख शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति तथा पुरातत्व गायत्री राठौड़, पर्यटन निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा, आरटीडीसी प्रबंध निदेशक अनुपमा जोरवाल, अतिरिक्त निदेशक राकेश शर्मा की उपस्थिति में शुक्रवार को पर्यटन भवन में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण द्वारा संचालित पेनोरमाओं के सम्बन्ध में आयोजित समीक्षा बैठक में उक्त निर्देश दिए। उन्होंने राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के पेनोरमाओं/विकास कार्यों पर बिंदुवार चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उक्त विकास कार्यों के लिए विशेष स्थिति में अतिरिक्त बजट की आवश्यकता होने पर बजट आवंटित किया जाएगा।

दीया कुमारी ने पेनोरमाओं के निर्माण के समय महापुरुषों के जीवन को आधुनिक/डिजीटल संसाधनों का उपयोग कर उत्तम तरीके से दिखाने की दिशा में काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऑडियो वीडियो तथा आधुनिक तकनीक का उपयोग कर सभी पेनोरमाओं को समयबद्ध रूप से पर्यटकों को अधिक से अधिक जानकारी उपलब्ध कराने की दिशा में भी कार्य किया जाये। उन्होंने कहा कि हमारी पिछली सरकार द्वारा प्रदेश में ऐतिहासिक/धार्मिक/पर्यटन महत्त्व के सुन्दर और शानदार पेनोरमाओं का निर्माण करवाया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसी श्रंखला में आगे भी योजनाबद्ध रूप से काम किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन पेनोरमाओं के टेण्डर हो चुके हैं उन पर अविलम्ब निर्माण कार्य शुरू किया। उन्होंने जिन पेनोरमाओं के लिए भूमि आवंटन शेष है उन पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए।

डीग में असामाजिक तत्वों ने बाबा साहब आंबेडकर की प्रतिमा को खंडित किया

जयपुर। राजस्थान के डीग जिले के कामां थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार को कुछ असामाजिक तत्वों ने बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को खंडित कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह घटना तड़के तीन से पांच बजे के बीच बताई जा रही है। डीग के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सतीश यादव ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार टीमें गठित कर दी गई हैं, और आरोपियों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने बताया कि आस-पास कहीं सीसीटीवी नहीं है और न ही किसी ने आरोपियों को इस तरह की हरकत करते देखा है। एहतियात के तौर पर आंबेडकर पार्क में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। सूचना मिलने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सतीश यादव, उपखंड अधिकारी सुनील कुमार, कामां थाना और जुरहरा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

इस घटना की जानकारी मिलने के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया। लोगों ने सुबह रोड पर टायर जलाकर जाम लगा दिया। बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए।

मौके पर मौजूद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा जनप्रतिनिधि की मदद से कुछ देर बाद जाम खोल दिया गया।

'एक पेड़ माँ के नाम' पौधारोपण कर बनाया विश्व रिकॉर्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पंचायती राज एवं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को हरियाली तीज के अवसर पर मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान के अंतर्गत एक पेड़ माँ के नाम पर सघन पौधारोपण कर विश्व रिकॉर्ड बनाने के उपलक्ष्य में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन ने सर्टिफिकेट दिया। दिलावर ने बताया कि प्रदेश में अच्छी बरसात होने के कारण

ऐसा प्रतीत होता है कि प्रकृति भी प्रदेश पर मेहरबान है। बीज से पौधा और पौधे को पेड़ बनाने का सरकार का यह अभियान अब जनआंदोलन बन गया है। प्रदेश में करोड़ों पौधे लगाकर तापमान को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया है। इन पौधों की ऑनलाइन मोनिटरिंग भी की जा रही है एवं वृक्ष प्रेमियों को एप के माध्यम से प्रशस्ति पत्र दिये जायेंगे।

इस अभियान में सरकारी व निजी विद्यालय, गोशाला, साधु-संत, व्यापारिक प्रतिष्ठान,पेट्रोल पंप, सरकारी योजनाओं के लाभार्थी, सामाजिक संस्था ,ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, उद्योग, गैस एजेंसी एवं खान मालिकों ने भी बढ़ चढ़कर जागरूकता दिखाई। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल, निदेशक आशीष मोदी, वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन के वाइस प्रेसिडेंट प्रथम भला सहित अधिकारी उपस्थित थे।

सिद्दरामय्या के साथ खड़ी हुई कांग्रेस, आरोपों को सरकार अस्थिर करने का प्रयास करार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कांग्रेस नेतृत्व ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) से जुड़े मामले में शुक्रवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या का समर्थन किया और कहा कि ये आरोप राज्य में उसकी सरकार को अस्थिर करने तथा सरकार की 'विभिन्न गारंटी' को रोकने का प्रयास है, लेकिन पार्टी नहीं झुकेगी और न्यायपालिका में तथा जनता की अदालत में लड़ाई जारी रखेगी।

सिद्दरामय्या और उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने यहां पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की तथा पूरे मामले से उन्हें अवगत कराया। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने पिछले दिनों तीन अधिकार कार्यकर्ताओं की शिकायत पर एमयूडीए में कथित वैकल्पिक भूखंड घोटाले में मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी, जिसके बाद मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सिद्दरामय्या के खिलाफ हमलावर है।

कांग्रेस नेतृत्व से सिद्दरामय्या की मुलाकात के बाद कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि राज्यपाल भाजपा के 'फ्रंटमैन' की तरह काम कर रहे हैं तथा यह प्रयास किया जा रहा है कि 'गृह लक्ष्मी' और 'अन्न भाग्य' जैसी गारंटी को रोका जाए तथा कांग्रेस की सरकार को अस्थिर किया जाए। उन्होंने दावा किया कि केंद्र की मोदी सरकार सिद्दरामय्या पर नहीं, बल्कि कर्नाटक की जनता तथा एक ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) मुख्यमंत्री पर हमला कर रही है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि इस मामले पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने समेत सभी विकल्प खुले हुए हैं।

सुरजेवाला ने कहा, 'हम हर हमले का सामना करेंगे, हम केंद्र सरकार और राज्यपाल के हमलों को सामना करेंगे...हम इस लड़ाई को न्यायपालिका में लड़ने के साथ ही जनता की अदालत में लड़ेंगे।' उन्होंने सवाल किया कि भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर राज्यपाल ने पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येडीयुरप्पा, एच डी कुमारस्वामी और भाजपा तथा जद(एस) के नेताओं के खिलाफ अनुमति क्यों नहीं दी? सुरजेवाला ने कहा, हम इस लड़ाई में एकजुट खड़े हैं। हम अपने मुख्यमंत्री के साथ खड़े हैं।

सिद्दरामय्या ने कहा, हमने कांग्रेस नेतृत्व को बताया कि राज्यपाल ने कैसे दलगत तरीके से काम किया है। हमें अदालत में भरोसा है, हमें कानून में विश्वास है। उन्होंने कहा, राज्यपाल का फैसला असंवैधानिक और गैरकानूनी है। इसलिए हमें अदालत से न्याय मिलेगा।

शिवकुमार ने भी सिद्दरामय्या का समर्थन किया और कहा कि कांग्रेस झुकने वाली नहीं है।सिद्दरामय्या और शिवकुमार के साथ कर्नाटक के गृहमंत्री जी परमेश्वर, समाज कल्याण मंत्री एचसी महादेवप्पा और अल्पसंख्यक और आवास मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान, एमएलसी के गोविंदराजू और बिजली मंत्री के जे जॉर्ज भी दिल्ली पहुंचे हैं।

मंकीपॉक्स का डर : कर्नाटक सरकार ने बुलाई बैठक, बेंगलूरु में 50 बेड किए आरक्षित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कई देशों में मंकीपॉक्स (एमपॉक्स) वायरस के प्रसार को देखते हुए कर्नाटक के चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने शुक्रवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की। राज्य में इस वायरस के प्रसार को रोकने और इस संबंध में एहतियाती उपाय करने के लिए बेंगलूरु में विकास सौधा में बैठक का आयोजन किया गया। जनता को आश्वस्त करते हुए, मंत्री पाटिल ने कहा कि राज्य सरकार ने एमपॉक्स के प्रसार को रोकने के लिए तत्पर है।

उन्होंने बताया, एमपॉक्स वायरस को रोकने की रणनीति पर चर्चा करने के लिए आज मैने चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। चिंता की कोई बात नहीं है, हमने आवश्यक उपाय लागू कर दिए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग ने पहले ही दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं और एमपॉक्स के बारे में सलाह दी है।

डॉ. पाटिल ने कहा, हमने विक्टोरिया अस्पताल में जांच और स्क्रीनिंग की सुविधा का प्रबंध किया है और आइसोलेशन बेड की व्यवस्था की है। जांच निशुल्क की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि स्थिति के अनुसार अन्य अस्पतालों में भी इसी तरह की व्यवस्था की जाएगी।

डॉ. पाटिल ने बताया कि सरकार ने संदिग्ध एमपॉक्स मामलों के लिए विक्टोरिया अस्पताल के एच ब्लॉक में पांच आईसीयू इकाइयों में 50 आइसोलेशन बेड आरक्षित किए हैं। इसके अलावा, अस्पताल की वीआरडीएल लैब और माइक्रोबायोलॉजी विभाग आवश्यक जांच करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि भारत में अभी तक मंकीपॉक्स का कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन बीएमसीआरआई से जुड़े अस्पताल हाई अलर्ट पर हैं और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार आवश्यक एहतियाती कदम उठाए गए हैं और इसके लिए अधिकारियों को उचित निर्देश जारी किए गए हैं। डॉ. पाटिल ने कहा क हिमारे राज्य में मंकीपॉक्स का कोई मामला सामने नहीं आया है। इसलिए, राज्य के लोगों को घबराना नहीं चाहिए। यह एक वायरल संक्रमण है। एहतियात के तौर पर सभी आवश्यक तैयारियां की गई हैं।

मंत्री ने कहा, इस मुद्दे पर केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग के साथ भी चर्चा की गई है। केंद्र सरकार अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर जांच के लिए दिशा निर्देश देगी।

ट्ठ ष्टक्रद्वश्व ह्द्व इुद्वश द्धं- इुछट्टछ 100 ॥इुद्वश्नस्>

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने शुक्रवार को भाजपा पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा लंबे समय से जेडीएस को खत्म करने की सोच रही है। पत्रकारों से बात करते हुए शुक्रवार को उन्होंने कहा कि भाजपा नेता जेडीएस को खत्म कर देने की बात पर जोर दे रहे थे। अब भाजपा ने ही एचडी कुमारस्वामी का पुराना मामला उठाया है। दरअसल, खनिज विभाग में एक घोटाला हुआ था, अब कुमारस्वामी केंद्रीय मंत्री हैं।

उन्होंने कहा कि राज्यपाल के फैसले से कुमारस्वामी का 'सर कलम' हो जाएगा। इस मामले में उनका कहना है कि उनके हस्ताक्षर जाली हैं, अगर उनका हस्ताक्षर जाली है तो इतने समय तक उन्होंने शिकायत क्यों नहीं की थी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा को भ्रष्टाचार का बादशाह बताते हुए उन्होंने कहा कि उनके

पिता देश के सबसे बड़े भ्रष्ट व्यक्ति हैं। भाजपा के मंत्री ने खुद इस बात को स्वीकार किया था कि जब उनके पिता प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, तब विजयेंद्र टैक्स लगाया जाता था। उन्हें शर्म आनी चाहिए कि वह हमारे मुख्यमंत्री पर आरोप लगा रहे हैं। हमारे सभी विधायक मुख्यमंत्री के साथ खड़े हैं। बता दें कि कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत की ओर से प्रदेश के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी मिलने के कुछ दिन बाद कर्नाटक मंत्रिमंडल ने राज्यपाल को केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी, भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री शशिकला जोले, जनार्दन रेड्डी और मुरुगेश निरानी के खिलाफ जांच एजेंसियों द्वारा दायर लंबित अभियोजन मंजूरी पर तुरंत फैसला करने की सलाह दी।

कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एचके पाटिल ने कहा था कि मंत्रिमंडल ने राज्यपाल को संविधान के अनुच्छेद 163 के तहत लंबित मामलों पर तुरंत कार्रवाई करने की सलाह देने का फैसला किया। कैबिनेट की बैठक के बाद मंत्री ने कहा कि चारों के खिलाफ मामलों में से कुमारस्वामी और जोले के खिलाफ दायर आरोप पत्रों के आधार पर मंजूरी मांगी गई है।

राज्यपाल ने भाजपा के कहने पर 15 विधेयक वापस भेजे हैं : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि राज्यपाल ने भाजपा के दबाव में आकर 15 विधेयक वापस भेज दिए हैं। अपने सदाशिवनगर निवास पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, अगर राज्यपाल भाजपा के हित में फैसले लेते हैं, तो हमें लोकतंत्र में सरकारों की क्या जरूरत है? अगर विधेयकों पर सवाल हैं, तो हम जवाब देने के लिए मौजूद हैं। मैं भगवान से राज्यपाल को सद्बुद्धि देने की अपील करता हूं।

यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार गिराने की कोशिश की जा रही है, उन्होंने कहा, सरकार गिराने की कोशिशें सफल नहीं होंगी। हम इन कोशिशों को देखकर चुप नहीं बैठेंगे, हम इसे रोकने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। यह पूछे जाने पर कि कांग्रेस पार्टी, जिसने पहले जिंदल को भूमि आवंटन का विरोध किया था, ने अब भूमि आवंटित क्यों की है, उन्होंने कहा, कर्नाटक को रोजगार की जरूरत है और यह तभी संभव है जब राज्य में उद्योग आएंगे। हमने मौजूदा औद्योगिक नीतियों के अनुसार भूमि आवंटित की है। हमने कोई नई भूमि जारी नहीं की है, बल्कि उस भूमि के लिए बिक्री विलेख दिया है जो बहुत पहले जिंदल को आवंटित की जानी थी।

गृह मंत्री परमेश्वर के दिल्ली दौरे के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, उनके पास विभाग का काम है और पार्टी का काम है। हम उनकी यात्रा के बारे में कैसे फैसला कर सकते हैं। हमें भी दिल्ली में काम है और इसलिए हम साथ जा रहे हैं।

महिला डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए जल्द दिशानिर्देश : डॉ. शरण प्रकाश पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हाल ही में कोलकाता में एक महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या पर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर, कर्नाटक सरकार ने महिला चिकित्सा कर्मचारियों और महिला डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए स्वेच्छा से दिशानिर्देश जारी करने का निर्णय लिया है। शुक्रवार को विकास सौधा में आयोजित बैठक में डॉ. डॉ. शरण प्रकाश पाटिल, चिकित्सा शिक्षा निदेशक सुजाता राठौड़ ने उन्हें महिला डॉक्टरों की सुरक्षा पर सभी संबंधित संगठनों के साथ एक व्यापक दिशानिर्देश तैयार करने का निर्देश दिया।

डॉ. राठौड़ ने उन्हें सरकारी मेडिकल कॉलेजों, सरकारी सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों, डॉक्टरों के संघों के सभी निदेशकों से परामर्श करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही निजी अस्पतालों, महिला डॉक्टरों ने अन्य हितधारकों के परामर्श से कॉलेजों और अस्पतालों में चिकित्सा कर्मचारियों, विशेषकर महिला डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए सख्त दिशानिर्देश बनाने पर जोर दिया। इस संदर्भ में, राज्य सरकार जल्द ही चिकित्सा समुदाय की सलाह के अनुसार महिला डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए दिशानिर्देश जारी करेगी। मंत्री ने मीडिया को बताया कि ये दिशानिर्देश सरकारी और निजी दोनों चिकित्सा संस्थानों पर लागू हैं।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 31 साल की महिला डॉक्टर से रेप की घटना की खुद एक डॉक्टर ने कड़ी निंदा की है। पाटिल ने कहा कि सरकार महिला पेशेवरों के खिलाफ हिंसा बर्दाश्त नहीं करेगी और महिला डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

स्नातकोत्तर मेडिकल और सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में पढ़ने वाले छात्रों और वरिष्ठ रेजिडेंट डॉक्टरों के वजीफे (स्टाइपेंड) में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी का आदेश जारी किया गया है। स्नातकोत्तर मेडिकल छात्रों ने स्टाइपेंड में बढ़ोतरी की मांग को लेकर हड़ताल का आह्वान किया था। संशोधित वेतन 1 अगस्त से लागू हो गया है और इसमें 25 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। सरकार द्वारा छात्रों के वेतन में बढ़ोतरी के बाद डॉक्टरों ने हड़ताल वापस ले ली।

टुमकूरु रेलवे स्टेशन पर रुकेगी वंदे भारत एक्सप्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुरु। शुक्रवार को रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने टुमकूरु रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस को नए ठहराव के साथ हरी झंडी दिखाई।टुमकूरु क्षेत्र के लोगों को काफी समय से यह मांग थी कि यह ट्रेन यहां रुके।

ट्रेन नं. 20662 धारवाड़-केएसआर बेंगलूरु और 20661 केएसआर बेंगलूरु-धारवाड़ ट्रेन अब टुमकूरु रेलवे स्टेशन पर दो मिनट के लिए रुकेगी। ट्रेन नं. 20662 टुमकूरु18.18 बजे पहुंचेगी वहीं ट्रेन नं. 20661 सुबह 06.32 बजे पहुंचेगी।

इस मौके पर वी. सोमन्ना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में रेलवे में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। प्रधानमंत्री ने रेलवे को 'देश के विकास का इंजन' बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कर्नाटक में रेलवे परियोजनाओं की औसत लागत लगभग 9 गुना (2009-14 में 800 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्तमान में 7500 करोड़ रुपये तक बढ़ गई है।

मंत्री ने कहा कि सड़क और रेल उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा बढ़ाने के लिए जुलाई 2024 में तुमकुर शहर में 350 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से पांच रेल फ्लाईओवर को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा, दक्षिण भारत के सबसे तेजी से बढ़ते औद्योगिक केंद्र के रूप में उभर रहे टुमकूरु में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं: लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से टुमकूरु रेलवे स्टेशन को विश्व स्तरीय टर्मिनल में अपग्रेड करने का खाका तैयार किया जा रहा है जिसे अंतिम रूप दे दिया गया है।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
मानव अंतरिक्ष उड़ान केन्द्र (एचएसएफसी)
निर्माण एवं रखरखाव समूह (सीएमजी)
अंतरिक्ष भवन, बेंगलूरु - 560094, फोन : 080-22172614/2613

ई-निविदा सूचना क्र.: HSFC/CMG/MM/C/118/2024-25 दिनांक.:23.08.2024

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, एनआईटी में निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

कार्य का नाम :	एचएसएफसी, देवनहल्ली, बेंगलूरु में ईसीएलएसएस और संबंधित सहायक सुविधाओं में सिविल, पीएच, इलेक्ट्रिकल, एसी, बागवानी और हाउसकीपिंग कार्यों के लिए रखरखाव अनुबंध (एक वर्ष)
निविदा का अनुमानित मूल्य	₹. 97.35 लाख
कार्य समापन अवधि	12 माह
ईएमडी	₹. 1,94,700/-
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	24.08.2024 को 11.00 बजे से 11.09.2024 को 23.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण	24.08.2024 को 11.30 बजे से 12.09.2024 को 10.30 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	13.09.2024 को 11.00 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	13.09.2024 को 11.30 बजे तक

निविदा दस्तावेज़ को, www.tenderwizard.com/ISRO वेबसाइट पर टेंडर विजाड में पंजीकरण करते हुए और निविदा प्रक्रम शुल्क का भुगतान कर डाउनलोड किया जा सकता है। विक्रता पंजीकरण की विधि उपरोक्त वेबसाइट में दर्शाई गई है। इच्छुक निविदाकार अधिक जानकारी के लिए www.isro.gov.in वेबसाइट पर निविदा आमंत्रित करती विस्तृत सूचना (एन.आई.टी.) को देख सकते हैं और क्रय दस्तावेज़ के लिए www.tenderwizard.com/ISRO वेबसाइट देखें।

ह./- समूह प्रमुख, सीएमजी, एचएसएफसी

राष्ट्रीय स्तर की सामान्य जागरूकता प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शुक्रवार को कक्षा 8 से 12 वीं के छात्रों के लिए आयोजित राष्ट्रीय स्तर की सामान्य जागरूकता प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 'यू जिनयिस3.0-2024' में बेंगलूरु सिटी राउंड में सेंट पॉल इंग्लिस स्कूल के नमन एवं आदित्य विजेता रहे।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के क्षेत्रीय कार्यालय उपायुक्त धर्मेन्द्र पटले मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के अंचल प्रमुख नवनीत कुमार ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम के अंत में धर्मेंद्र पटले, नवनीत कुमार आदि ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

मैसूर और सेनगोट्टई के बीच विशेष ट्रेनें

चेन्नई/दक्षिण भारत । दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार दक्षिण पश्चिम रेलवे के संचालन में एक विशेष ट्रेन संख्या 06241/06242 मैसूरु - सेंगोट्टै -मैसूरु स्पेशल की दो सेवाएं चलाई जाएंगी।

ट्रेन संख्या 06241 मैसूरु-सेनगोट्टई स्पेशल 4 और 7 सितंबर (बुधवार, शनिवार) को 21.20 बजे मैसूरु से रवाना होगी और अगले दिन 16.50 बजे सेंगोट्टई पहुंचेगी। वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 06242 सेंगोट्टई-मैसूरु स्पेशल 05 और 08 सितंबर(गुरुवार, रविवार) को 19.45 बजे सेंगोट्टई से रवाना होगी और अगले दिन 14.20 बजे मैसूरु पहुंचेगी। इस ट्रेन में दो एसी टू टियर कोच, दो एसी थ्री टियर कोच, छह स्लीपर क्लास कोच, छह सामान्य द्वितीय श्रेणी, दो द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) होंगे।

फर्जी एनसीसी शिविर मामले में छात्रा के यौन उत्पीड़न के मुख्य संदिग्ध ने की आत्महत्या

कृष्णागिरि। कृष्णागिरी जिले के बरगुर स्थित फर्जी 'नेशनल कैडेट कोर' (एनसीसी) शिविर में एक स्कूल छात्रा का यौन उत्पीड़न करने के मामले के मुख्य संदिग्ध ने शुक्रवार को कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि शिवरमण ने 19 अगस्त को गिरफ्तारी से पहले कथित तौर पर चूहा मारने वाली दवा खा ली थी। पुलिस से बचने के लिए उसने भागने की कोशिश की थी जिससे उसके पैर की हड्डी टूट गई थी। इसके बाद उसे कृष्णागिरी के राजकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि बाद में हालत बिगड़ने पर उसे सलेम के राजकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां शुक्रवार को उसकी मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शिवरमण के पिता अशोक कुमार की बृहस्पतिवार को एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई।

Advt No.01/2024
राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान
एक स्वायत्त संस्थान
भारत सरकार, आयुष मंत्रालय
ब्लॉक - जीई, सेक्टर-III, साल्ट लेक, कोलकाता - 700106
फ़ोन : 033-2337-0969/70 वेबसाइट : www.nih.nic.in

एनआईएच कोलकाता और नरेला, दिल्ली में प्रतिनियुक्ति/अल्पकालिक अनुबंध के आधार पर निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं

राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संस्थान, **प्रतिनियुक्ति/अल्पकालिक अनुबंध सहित प्रतिनियुक्ति पर** प्रत्येक पद के लिए नीचे उल्लिखित वेतन स्तर में निम्नलिखित पदों को भरने के लिए पात्र इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित करता है। अन्य सभी विवरण जैसे पात्रता मानदंड, योग्यता, अनुभव और सामान्य नियम और शर्तें, निर्धारित आवेदन प्रारूप आदि संस्थान की वेबसाइट www.nih.nic.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं। इच्छुक उम्मीदवार रोजगार समाचार में विज्ञापन के प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस (45) दिनों के भीतर अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। यदि कोई भी संशोधन, परिशिष्ट, शुद्धिपत्र होगा तो संस्थान की वेबसाइट पर ही अपलोड किया जाएगा, किसी अन्य मीडिया में प्रकाशित नहीं किया जाएगा।

क्र. सं.	पद का नाम	पदों की संख्या	समूह	भुगतान मैट्रिक्स	7वें सीपीसी में संगत स्तर
1.	संयुक्त निदेशक (प्रशासन) (एनआईएच, नरेला, दिल्ली)	एक (01)	ए	रु. 78,800-2,09,200	12
2.	प्रशासनिक अधिकारी (एनआईएच, नरेला, दिल्ली)	एक (01)	ए	रु. 56,100-1,77,500	10
3.	वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी (एनआईएच, कोलकाता)	छह (06)	बी	रु. 47,600-1,51,100	8
4.	सहायक (एनआईएच, कोलकाता)	एक (02)	बी	रु. 35,400-1,12,400	6

CBC 17209/11/0001/2425
निदेशक, एनआईएच.

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

सुविचार

मुश्किल वक्त में सबसे बड़ा सहारा है उम्मीद, जो यह विश्वास दिलाती है कि सब अच्छा होगा!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कैसे पनप रहे ये 'मॉड्यूल'?

दिल्ली पुलिस द्वारा झारखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश से दर्जनभर लोगों को अलकायदा से संबंध रखने के आरोप में गिरफ्तार किया जाना एक ओर जहां इस बल के कर्मियों की सतर्कता का परिणाम है, वहीं यह राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से गंभीर चिंता का विषय भी है। आरोपियों के कब्जे से जिस तरह की सामग्री बरामद हुई, वह संकेत देती है कि आतंकवादी संगठन हमारे देश में जड़ें जमाने के लिए युवाओं को किस तरह गुमराह कर रहे हैं। इस आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने के लिए दिल्ली पुलिस ने निश्चित रूप से पुख्ता तैयारी की थी, अन्यथा इतने लोग नहीं पकड़े जाते। अलकायदा एक ऐसा आतंकवादी संगठन है, जिसने अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों में बड़े हमले किए हैं। इसके पूर्व सरगना ओसामा बिन लादेन और अयमान अल-ज़वाहिरी का अमेरिकी बलों के हाथों खात्मा हो चुका है, लेकिन संगठन, उसके आतंकवादी, स्लीपर सेल और सहानुभूति रखने वाले लोग आज भी मौजूद हैं। ऐसे आतंकवादी संगठनों के शीर्ष नेतृत्व से जुड़े लोगों के खात्मे का यह अर्थ नहीं होता कि उसकी जड़ें समाप्त हो गई हैं। इन्हें जहरीली सोच रखने वाले तत्त्वों से पोषण मिलता रहता है। उक्त मॉड्यूल का नेतृत्व करने का आरोपी झारखंड के रांची का एक 'डॉक्टर' बताया गया है! यह भी हैरान करने वाली बात है कि इतनी उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद इस शख्स ने आतंकवाद का रास्ता चुना! दो दशक पहले यह तर्क बहुत सुनने को मिलता था कि जो व्यक्ति आतंकवाद के रास्ते पर चलता है, उसके इस कृत्य के लिए उसका अनपढ़ या कम पढ़ा-लिखा होना जिम्मेदार है। इसके पक्ष में ऐसे आतंकवादियों के नाम गिनाए जाते थे, जिनका शिक्षा का स्तर कमजोर होता था। इससे माना जाता था कि ऐसे लोगों का ब्रेन वॉश करना आसान होता है। उन्हें आतंकवादी संगठनों के आका जो पट्टी पढ़ा देते हैं, वे उसे ही सच मान लेते हैं।

हालांकि यह तर्क गलत साबित हो रहा है। ज़वाहिरी और बगदादी जैसे आतंकवादी उच्च शिक्षित थे। लादेन के पास भी कॉलेज की डिग्री थी। जब आईएसआईएस अपनी क्रूर हरकतों के चरम पर था, तब दुनियाभर से कई डॉक्टर, इंजीनियर, तकनीकी विशेषज्ञ और विभिन्न विषयों की गहरी समझ रखने वाले लोग उस संगठन में 'भर्ती' होने के लिए गए थे। अशिक्षा और गरीबी जैसी वजहों से लोग ऐसे संगठनों के प्रभाव में आ जाते हैं, लेकिन ऐसी और भी वजह हैं, जो युवाओं को गुमराह कर आतंकवाद के दलदल में धकेल सकती हैं। उनमें सबसे बड़ी वजह है- 'दुष्प्रचार'। पाकिस्तान से आतंकवाद का प्रशिक्षण लेकर भारत आने वाले आतंकी जब यहां गिरफ्तार कर लिए जाते हैं और उनसे पूछताछ होती है तो पता चलता है कि उन्हें पढ़ने के लिए कट्टरपंथी साहित्य दिया गया था। यही नहीं, उन्हें हिंसा आधारित वीडियो दिखाकर दावा किया गया था कि ये भारत से संबंधित हैं। हालांकि वे वीडियो इराक, सीरिया, लीबिया जैसे हिंसाग्रस्त देशों से थे। दिल्ली पुलिस की छापेमारी के दौरान जो लोग गिरफ्तार किए गए, उनके पास भी भड़काऊ साहित्य मिलने की बात सामने आई है। आरोप है कि ये देश के भीतर 'खिलाफत' की घोषणा करने और गंभीर आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के मंसूबे पाले बैठे थे। प्राय: इन संगठनों से जुड़े लोग मोबाइल फोन पर भी भड़काऊ सामग्री पढ़ते-सुनते हैं। विदेशी शक्तियों द्वारा सोशल मीडिया पर ऐसे ग्रुप बनाकर युवाओं को गुमराह करने के प्रयास जारी हैं। इनके जरिए आपत्तिजनक सामग्री का प्रसार बहुत तेजी से किया जा सकता है। लगातार कट्टर विचारधारा से संबंधित आलेख पढ़कर और भाषण आदि सुनकर कुछ लोग गुमराह हो सकते हैं। इसके मद्देनजर उन तत्त्वों पर नजर रखना बहुत जरूरी है, जो इंटरनेट पर ऐसी सामग्री का प्रचार-प्रसार करते हैं। सोशल मीडिया मंचों को इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए जाने चाहिएं। जो लोग देशविरोधी एवं मानवताविरोधी कृत्यों में लिप्त पाए जाएं, जांच एजेंसियां उनके खिलाफ पुख्ता सबूत जुटाकर केस को मजबूत बनाएं। आतंकवाद से निपटने के लिए शीघ्र एवं कठोर दंड देना सुनिश्चित किया जाए।

ट्वीटर टॉक

प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य पर समस्त देशवासियों और हमारी विज्ञान शक्ति का अभिवादन। ठीक साल भर पहले आज ही के दिन भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र पर उतरने वाला पहला देश होने का गौरव हासिल किया था।

-ओम बिरला

आज जयपुर में प्रथम पूज्य श्री मोती डूँगरी गणेश जी महाराज के पूर्ण विधि-विधान से पावन दर्शन पूजन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की कृपा से समस्त प्रदेशवासियों का जीवन सुख, शांति, समृद्धि से परिपूर्ण हो, मेरी यही मंगलकामना है।

-भजनलाल शर्मा

सत्ता के लालच में बार-बार देश की एकता और सुरक्षा के साथ खेलने वाली कांग्रेस पार्टी ने जम्मू-कश्मीर चुनाव में अब्दुल्ला परिवार की 'नेशनल कांफ्रेंस' के साथ गठबंधन करके फिर से अपने मंसूबों को देश के सामने रखा है।

-अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

प्रकृति के प्रति कृतज्ञता

एक बार शहर से आए कुछ बालक नदी किनारे पिकनिक मना रहे थे। उन्होंने देखा कि गांव की महिलाएं नदी को प्रणाम कर रही हैं। उन्होंने पूछा, 'क्या इस तरह नदी की पूजा का कोई मतलब है?' महिलाओं ने जवाब दिया, 'क्या इस नदी को हमारे नमन करने से कुछ अनहोनी हो गई?' बालक बोले, 'नहीं! ऐसी बात नहीं है। यह देखकर थोड़ी हैरानी हुई कि यह नदी न तो आपकी किसी बात का उत्तर दे सकती है और न ही आपके नमन करने पर अपनी प्रसन्नता जाहिर कर सकती है।' महिलाओं ने कहा, 'बालकों! तुम्हारा सोचना गलत है। यह नदी भले बोलकर उत्तर न दे सकती हो, पर जिस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति की एक भाषा होती है, उसी प्रकार प्रकृति की भी अपनी भाषा होती है। देखो तो, इस नदी में भी प्राण हैं, उसकी भी अपनी भाषा है। इस नदी के जल से हमने खेतों की सिंचाई की है। इसकी शीतल जलधारा ने ग्रीष्मकालीन ताप में शीतलता प्रदान की है। धूप से परेशान होकर जो राहगीर आया, इसने बिना भेदभाव सबको जल प्रदान किया है। इसने न केवल गांव की खूबसूरती बढ़ाई बल्कि जीव-जंतु, पंछी, और पौधों को भी जीवन दिया है।

सामयिक

दलित वोटों की लड़ाई में सपा-बसपा आमने-सामने

अजय कुमार

मोदी सरकार ने उच्च पदों पर नौकरियों में सीधी भर्ती (लेटरल एंट्री) का अपना एक फैसला क्या वापस लिया, विपक्ष ने इसे मोदी को घेरने का हथियार बना लिया। पूरा विपक्ष अपनी पीठ ठोंक रहा है। पीठ ठोंकने वालों में यूपी के नेता मायावती और अखिलेश यादव सबसे आगे नजर आ रहे हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती और सपा प्रमुख अखिलेश यादव को तो लगता है कि इससे यूपी की राजनीति की धुरी ही बदल जायेगी। बसपा प्रमुख मायावती की प्रतिक्रिया आई थी कि उनके तीव्र विरोध के बाद सरकार ने सीधी भर्ती वाला निर्णय वापस लिया है। वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव दावा कर रहे हैं कि पिछले दरवाजे से आरक्षण को नकारते हुए नियुक्तियों की साजिश आखिरकार पीडीए की एकता के आगे झुक गई। मतलब यह है कि फैसला केंद्र ने वापस लिया लेकिन अखिलेश और मायावती खुद इसका क्रेडिट ले रहे हैं। वैसे सियासत इसी को कहा जाता है। वैसे यह पहली बार नहीं हुआ है कि परस्पर विरोधी बसपा और सपा नेताओं के सुर एक जैसे सुनाई पड़ रहे हों, इसी तरह के सुर आरक्षण में वर्गीकरण के मुद्दे पर भी देखने को मिले थे, जब बसपा ने बंद का समर्थन किया तो अखिलेश ने भी तुरंत इसके समर्थन में पोस्ट लिख कर अपना पक्ष रख दियर। बात यहीं तक सीमित नहीं है, आरक्षण से जुड़े हर मुद्दे पर मायावती और अखिलेश लगातार आक्रामक दिख रहे हैं। आखिर क्या वजह है कि आरक्षण के मुद्दे पर दोनों के सुर एक हैं? या दोनों के बीच एक रेस लगी हुई है कि दलितों और पिछड़ों का ज्यादा हितैषी कौन है? आखिर इस मुद्दे के जरिए मायावती और अखिलेश कौन-सी राजनीति साध रहे हैं?

इस तमाम सवालों का जवाब समझने के लिए पिछले लोकसभा चुनाव से पहले की स्थितियों और नतीजों पर गौर करना जरूरी है। यूं तो संविधान और आरक्षण बसपा का कोर मुद्दा रहे हैं लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव से पहले सपा ने कांग्रेस के साथ गठबंधन करके पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) का जो नारा और इंडिया गठबंधन में शामिल होकर संविधान की रक्षा का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया था,उसका फायदा जब इंडिया गठबंधन को मिला तो बसपा सुप्रीमों को अपना राजनैतिक भविष्य अंधकार में नजर आने लगा। इससे पहले मायावती को भी यह उम्मीद नहीं थी कि सपा का यह दांव इतना अधिक कारगर होगा। नतीजे आए तो सपा ने यूपी में अकेले 37 सीटें जीत लीं। साथ में कांग्रेस को भी छह सीटों पर जीत हासिल हुई और बसपा का सफाया हो गया। वोट प्रतिशत भी खिसक कर मात्र करीब साढ़े नौ प्रतिशत पर आ गया। इससे साफ हो गया कि सपा के द्वारा बसपा के दलित वोट बैंक में बड़ी सेंधमारी कर ली गई है। तब से मायावती की एक ही कोशिश है कि किसी तरह अपना दलित वोटबैंक वापस लाया जाए। इसके लिए मायावती लगातार दलित हितों से जुड़े मुद्दे उठा रही हैं। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी आरक्षण में वर्गीकरण पर अपना मत दिया, तो मायावती की उम्मीद को पंख लग गये। मायावती ने तुरंत इस मुद्दे को लपक लिए। सबसे पहले उनकी प्रतिक्रिया आई। इसे पूरी तरह गलत ठहराते हुए उन्होंने भाजपा के साथ ही सपा-कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों को भी घेरना शुरू कर दिया। वह संसद में संविधान संशोधन लाने की मांग पर अड़ गईं। इस मुद्दे पर उन्होंने दो बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की और सोशल मीडिया के जरिए कई बयान दिए।

> **सपा और बसपा नेता लगातार यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि दलितों के असली हितैषी वही हैं। बसपा ने लोकसभा चुनाव के बाद कमिटियों का नए सिरे से गठन किया है। उनमें भी साफ झलक देखने को मिली कि दलितों को ज्यादा तवज्जो दी जा रही है। वहीं, अखिलेश यादव भी लोकसभा चुनाव के बाद फैजाबाद के सांसद अवधेश प्रसाद को आगे बढ़ा रहे हैं। संसद से लेकर सार्वजनिक मंचों तक वह अवधेश प्रसाद के साथ नजर आते हैं। संसद में भी अवधेश प्रसाद को लोकसभा में अधिष्ठाता मंडल का सदस्य बनवाया गया।**

शुरुआत में कांग्रेस ने इस पर सधी प्रतिक्रिया दी, लेकिन मायावती के आक्रामक रुख को देखते हुए सपा ने भी खुलकर मोर्चा खोल लिया। इसी बीच 69,000 शिक्षक भर्ती का मामला भी उठा,जिस पर सपा और बसपा दोनों ही आक्रामक दिखे। अखिलेश यादव को लगा कि अब यदि चुप रहे तो पिछले लोकसभा चुनाव में जो दलित वर्ग उनके साथ जुड़ा है, कहीं वापस बसपा में न चला जाए। उन्होंने सीधी भर्ती के मामले में 2 अक्टूबर को आंदोलन का ऐलान भी कर दिया। मायावती भी अपने बयानों के जरिए इस मुद्दे पर आक्रामक रुख बनाये हुए हैं।

लब्बोलुआब यह है कि सपा और बसपा नेता लगातार यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि दलितों के असली हितैषी वही हैं। बसपा ने लोकसभा चुनाव के बाद कमिटियों का नए सिरे से गठन किया है। उनमें भी साफ झलक देखने को मिली कि दलितों को ज्यादा तवज्जो दी जा रही है। वहीं, अखिलेश यादव भी लोकसभा चुनाव के बाद फैजाबाद के सांसद अवधेश प्रसाद को आगे बढ़ा रहे हैं। संसद से लेकर सार्वजनिक मंचों तक वह अवधेश प्रसाद के साथ नजर आते हैं। संसद में भी अवधेश प्रसाद को लोकसभा में अधिष्ठाता मंडल का सदस्य बनवाया गया। मायावती की तरह मंचों से आंबेडकर और कांशीराम का नाम अक्सर लेते हैं। दरअसल, अभी यूपी में विधान सभा उपचुनाव होने हैं।

(साभारः प्रभा साक्षी)

ज्ञान विज्ञान

चांद को चीन का ग्रहण, निकाल रहा है हीलियम

चीनी वैज्ञानिक एक मैग्नेटिक लॉन्चर पर काम कर रहे हैं उसका काम चंद्रमा की सतह से कार्गो को धरती तक भेजना होगा। इस कार्गो में हीलियम-3 के अलावा अन्य कीमती संपदा होगी जिसका चांद से खनन किया जाएगा। हीलियम सुरक्षित पहुंचे इसके लिए उसे एक कैप्सूल में धरती तक भेजा जाएगा। चांद को चीन का ग्रहण लग गया है। वह न सिर्फ यहां से हीलियम निकाल रहा है बल्कि धरती पर लाने की तैयारी में भी जुटा है। इसके लिए चीन के वैज्ञानिक चांद की सतह पर एक मैग्नेटिक लॉन्चर लगाने की तैयारी में हैं। यह इस तरह से डिजाइन किया जाएगा, जिससे यह हीलियम-3 और अन्य मूल्यवान रिसॉर्स को धरती तक भेज सके। सुनने में बेशक यह किसी रोमांचक साइंस फिक्शन फिल्म की तरह लग रहा हो, लेकिन चीन के वैज्ञानिक इसे सच करने जा रहे हैं। वह चांद की सतह पर मैग्नेटिक लॉन्चर को स्थापित कर अंतरिक्ष खनन में क्रांति लाने जा रहा है। चीन का मानना है कि वह ऐसा करके धरती पर पैदा हो रहे ऊर्जा के संकट को हल करने में मदद कर सकता है।

चीनी वैज्ञानिक जिस मैग्नेटिक लॉन्चर पर काम कर रहे हैं उसका काम चंद्रमा की सतह से कार्गो को धरती तक भेजना होगा। इसके लिए 18 बिलियन डॉलर, यानी तकरीबन 1510 अरब रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। इससे चंद्रमा पर एक 50 मीटर की रोटेटिंग आर्म बनाई जाएगी। यानी तकरीबन 165 फुट लंबा ऐसा यंत्र जो अपनी जगह पर तब तक घूमेगा जब तक उसकी स्पीड 2।38 किमी प्रति सेकेंड नहीं हो जाती। 8568 किमी प्रतिघंटा स्पीड होने के बाद यह उस कैप्सूल को धरती की तरफ फेकेंगा, जिसमें चांद से खनन कर निकाली गई हीलियम व अन्य ऊर्जा होगी। वैज्ञानिकों का मानना है कि चंद्रमा का वातावरण अनूठा है और धरती से बिल्कुल अलग है। ऐसे में इस तरह का लॉन्चर एक सफल पहल हो सकती है। दरअसल धरती से उलट चंद्रमा पर गुरुत्वाकर्षण न के बराबर है। उसका कोई वायुमंडल भी नहीं है। ऐसे में लॉन्चर की रोटेटिंग आर्म अपनी गति तक आसानी से पहुंच सकेगी। इसे चलाने के लिए सौर और परमाणु ऊर्जा का प्रयोग किया जाएगा।

चीन के वैज्ञानिक हीलियम-3 गैस को धरती पर लाने के लिए इस लॉन्चर को स्थापित करने की योजना बना रहे हैं। दरअसल हीलियम-3 धरती पर सीमित मात्रा में हैं, जबकि चांद पर इसका भंडार है। वैज्ञानिक इसे भविष्य के इंधन के तौर पर देख रहे हैं। जो एक स्वच्छ और बेहद सुरक्षित विकल्प है। चीन के शोधकर्ता मानते हैं कि सिर्फ 20 टन हीलियम से ही चीन को पूरे एक साल तक बिजली मिल सकती है। पृथ्वी की बात करें तो यहां हीलियम-3 की मात्रा सिर्फ 0।5 टन है, जबकि चांद पर यह 1 मिलियन टन से ज्यादा हो सकती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर ये चांद से धरती पर आ जाए तो एक हजार साल से ज्यादा समय तक वैश्विक ऊर्जा की जरूरतों को पूरा किया जा सकता है।

मैग्नेटिक लॉन्चर एक तरह से हैमर थ्रो की तरह काम करेगा। यह ठीक उसी तरह से होगा जैसे कि हैमर को थ्रो करने से पहले एथलीट तेजी से घूमता है। लॉन्चर के नजरिए से देखें तो इसकी रोटेटिंग आर्म तब तक तेज गति से घूमेगी जब तक वह चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण से बाहर निकलने के लिए जरूरी गति तक न पहुंच जाए। चीन के वैज्ञानिकों ने जो योजना बनाई है वह रोमांचक हैं, लेकिन अभी कुछ मुश्किलें हैं जो उनकी राह में बड़ी बाधा हैं। इनमें सबसे प्रमुख है चांद की सतह जो ऊबड़ खाबड़ है। इससे लॉन्चर को स्थापित करने में मुश्किल हो सकती है। इसके अलावा इस सिस्टम को ब्रह्मांडीय विकिरण के साथ ही चांद के मुश्किल मौसम को झेलने लायक बनाना होगा। वैज्ञानिक चाहते हैं कि 2030 तक वह लॉन्चर के प्रमुख घटकों को जुटा लें ओर 2045 तक चांद से धरती पर संपदा लाने का काम शुरू कर दें।

नजरिया

मोदी की यूक्रेन यात्रा और पश्चिमी मीडिया

डॉ. रमेश ठाकुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के यूक्रेन दौरे को ग्लोबल मीडिया और विरोधी मुल्क हिकारत की नजरों से देख रहे हैं। विदेशी मीडिया ने यहां तक कह दिया है कि मोदी रूस का एजेंट बनकर यूक्रेन का भेद लेने पहुंचे हैं? यूकेन को सतर्क रहना चाहिए। कमोबेश तस्वीरें भी कुछ ऐसी ही दिखाई दे रही हैं। प्रधानमंत्री के दौरे को यूक्रेन गर्मजोशी से नहीं ले रहा, बल्कि शक की निगाहों से जरूर देख रहा है। प्रधानमंत्री भी उनके बदले नजरिए को भांपे हुए हैं। बेशक, वह कहें कुछ न, लेकिन असहज जरूर हो रहे हैं? उनके इस दौरे के बाद भारत कई देशों के निशाने पर भी आ गया है। खासकर उन मुल्कों के जो रूस के खिलाफ जारी युद्ध में खड़े हुए हैं। अमेरिका, चीन, पाकिस्तान जैसे देश मोदी के दौरे को रूस का एजेंट बताने में लग गए हैं। उनके स्थानीय मीडिया में यूक्रेन यात्रा की खुलेआम आलोचना हो रही है। प्रधानमंत्री भी सब कुछ जानकर भी इसलिए चुप हैं, अगर उन्होंने वास्तविक स्थिति पर कुछ कहा, तो वह भारत के विपक्षी दलों के निशाने पर भी आ जाएंगे। विपक्षी दल वैसे भी यूक्रेन के दौर के पक्ष में नहीं हैं?

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को भी मोदी का दौरा नहीं सुहा रहे। उन्होंने तब भी विरोध किया था जब पिछले महीने प्रधानमंत्री मोदी रूस यात्रा पर गए थे और पुतिन को सबके सामने गले लगाया था। तब, गले मिलने को पश्चिमी मीडिया ने जमकर आलोचना की थी। जेलेंस्की ने भी आपत्ति जताते हुए तब कहा था कि आज रूस के मिसाइल हमले में 37 लोग मारे गए जिसमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। दरअसल जिस दिन मोदी रूस गए थे, उसी दिन रूस ने यूक्रेन के सबसे बड़े अस्पताल पर हमला किया था। तब जेलेंस्की ने गुस्से में कहा था कि एक ऐसे दिन दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता का दुनिया के सबसे खूनी अपराधी को गले लगाना शांति स्थापित करने की कोशिशों पर धक्के जैसा है। मोदी से गुस्सा होकर जेलेंस्की सभा से भी चले गए थे। तभी से जेलेंस्की भारत से विशेषकर मोदी से भन्नाए हुए हैं। अब मोदी यूक्रेन पहुंचे हैं, तो पूरे माजरे को अच्छे से समझ सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी यूक्रेन में भारतीयों से मिल रहे हैं, उनके स्वागत में ढोल-नगाड़े बज रहे हैं। इससे गुस्से की भड़की चिंगारियां को कुछ कम करने की कोशिशें जरूर हो रही हैं। लेकिन, ग्लोबल स्तर पर मोदी का मौजूदा यूक्रेन दौरा दुनिया के कई देशों को अखर रहा है। राजनीतिक पंडित मान रहे हैं कि मोदी का यूक्रेन दौरा उन देशों से रिश्ते खराब कर सकता है जिनसे हमारे मधुर संबंध हैं। हालांकि ये पहली मर्तबा है, जब कोई भारतीय प्रधानमंत्री यूक्रेन के दौरे पर है, लेकिन विकट परिस्थितियों में? कई लोग मानते हैं कि मोदी का यूक्रेन दौरा रूस को असहज कर सकता है, लेकिन एक राय ये भी है कि राष्ट्रपति पुतिन के चीन दौरे से भी भारत बहुत सहज नहीं रहता है। दुनिया के कई देश दबी जुबान में मोदी के यूक्रेन जाने पर सवाल उठा रहे हैं कि वह ऐसे वक्त यूक्रेन क्यों गए जब वहां के हालात बिगड़े हुए हैं? यूक्रेन बीते कुछ दिनों से रूस की सीमा में घुसकर हमले कर रहा है। कुछ इलाकों को उसने अपने कब्जे में भी ले लिया है। आशंका ऐसी हैं कि रूस यूक्रेन पर जल्द बड़ा हमला कर सकता है। अगर ऐसा होता है तो यूक्रेन के पक्ष में कई देश खड़े हो जाएंगे। फिर भारत क्या करेगा? रूस के साथ रहेगा या यूक्रेन के? निश्चित रूप से प्रधानमंत्री के दौरे ने भारत के लिए 'करो या मरो' की स्थिति खड़ी कर दी है। (साभार : हि.स.)

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोलकाता बलात्कार-हत्या मामलाः ब्रिटेन में भारतीयों छात्रों, प्रवासी संगठनों ने विरोध मार्च निकाला

लंदन/भाषा। ब्रिटेन में भारतीय छात्रों, धर्मार्थ संस्थाओं और प्रवासी संगठनों ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में कार्यरत एक महिला चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या की घटना के खिलाफ प्रदर्शन किया और न्याय की मांग की। महिला संगठनों ने लंदन के पार्लियामेंट स्क्वायर और ब्रिटेन के कई अन्य शहरों में बृहस्पतिवार को महात्मा गांधी की प्रतिमा के निकट शांति मार्च आयोजित किया तो वहीं 'स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया -यूनाइटेड किंगडम' (एसएफआई-यूके) ने बुधवार को लिवरपूल शहर में एक मार्च निकालकर इस घटना पर विरोध जताया।

लंदन के पार्लियामेंट स्क्वायर पर एकत्र हुए सैकड़ों लोगों ने मोमबत्तियां जलाकर चिकित्सक के लिए न्याय की मांग की। लोग हाथों में तख्तियां लिये हुए थे और उन्होंने महिलाओं के सम्मान और सशक्तीकरण का आह्वान किया। 'मेडिकोज वूमेन चैरिटी' की डॉ. दीप्ति जैन ने कहा, हमें पूरे विश्व से भारी समर्थन मिला है, जिससे यह साबित होता है कि अब समय आ गया है कि हम जागरूक हों और अपने व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठें तथा सभी लोग इस मुद्दे को लेकर एकजुट हों। ब्रिटेन स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) की चिकित्सक ने कहा, ये शांतिपूर्ण प्रदर्शन हमारी इकाइयों द्वारा इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स के कई शहरों में एक ही समय में आयोजित किए जा रहे हैं, जबकि बेलफास्ट और डबलिन में सप्ताहांत में प्रदर्शन किये जायेंगे। हमने अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया की वैश्विक इकाइयों को भी इसमें शामिल किया है, जो हमारे साथ शांति सभाएं कर रही हैं। इससे पहले, एसएफआई-यूके ने लंदन रोड से लिवरपूल के सिटी सेंटर तक मार्च निकाला। एसएफआई-यूके कार्यकर्ता और लिवरपूल विश्वविद्यालय के छात्र रौनक भट्टाचार्य ने कहा, कोलकाता से लिवरपूल तक हम न्याय और महिलाओं की सुरक्षा के लिए खड़े होंगे।

मुलाकात

नई दिल्ली में शुक्रवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क केंद्रीय दूरसंचार और संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात करते हुए।

कमला हैरिस ने अमेरिकियों को ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के परिणामों को लेकर चेतावनी दी

शिकागो/भाषा। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवारी औपचारिक रूप से स्वीकार करते हुए खुद को एक ऐसे नेता के तौर पर पेश किया जो सभी अमेरिकियों को एकजुट करके आगे का नया रास्ता बना सकती हैं। हैरिस ने इसके साथ ही अमेरिकियों को रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की शीर्ष पद पर वापसी के अत्यंत गंभीर परिणाम होने की चेतावनी भी दी। राष्ट्रपति पद के चुनाव में हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार एवं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ी टक्कर है। भारतीय-अफ्रीकी मूल की हैरिस ने शिकागो में बृहस्पतिवार रात 'डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन' के दौरान अपनी उम्मीदवारी स्वीकार की और इसी के साथ वह राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनने वाली डेमोक्रेटिक पार्टी की दूसरी महिला नेता बन गईं। हैरिस (59) अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए किसी प्रमुख दल की उम्मीदवार बनने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी और पहली अश्वेत महिला हैं। हैरिस जैसे ही मंच पर आईं, उनके समर्थकों ने जोरदार तालियों के साथ उनका स्वागत किया और उनके समर्थन में नारेबाजी की। शिकागो के 'यूनाइटेड सेंटर' में उम्मीदवारी स्वीकार करने के लिए मंच पर आईं हैरिस (59) ने कहा कि उनके लिए असंभव यात्राएं कोई नई बात नहीं हैं।

वह अमेरिकी उपराष्ट्रपति बनने से पहले कैलिफोर्निया में अभियोजक थीं। उन्होंने कहा, लोगों की ओर से, प्रत्येक अमेरिकी की ओर से, चाहे वह किसी भी पार्टी, जाति, या भाषा से संबंध रखता हो, मेरी मां की ओर से और उन सभी लोगों की ओर से जिन्होंने ऐसे अमेरिकियों की ओर से अपनी असंभव यात्रा शुरू की, जिनके साथ मैं बड़ी हुई, जो कड़ी मेहनत करते हैं, अपने सपनों का पीछा करते हैं और एक-दूसरे का ख्याल रखते हैं, उन सभी की ओर से, जिनकी कहानी पृथ्वी के सबसे महान राष्ट्र में ही लिखी जा सकती है, मैं उम्मीदवारी स्वीकार करती हूं।

हैरिस की मां श्यामला गोपालन भारतीय थीं जबकि उनके पिता डोनाल्ड जैस्पर हैरिस जमैका के नागरिक हैं। अगर हैरिस निर्वाचित होती हैं, तो वह अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति होंगी।

हैरिस ने श्यामला गोपालन को याद करते हुए कहा कि उन्हें अपनी मां की कमी हर रोज महसूस होती है और उन्हें वह खासकर उस समय बहुत याद आती हैं जब वह अमेरिका में किसी बड़े अवरोध को पार कर कोई बड़ी उपलब्धि हासिल करती हैं। उन्होंने कहा कि पांच नवंबर को होने वाला चुनाव अमेरिका के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। हैरिस ने अपने 40 मिनट के भाषण में कहा, इस चुनाव के साथ हमारे देश के पास अतीत की कड़वाहट, निराशावाद और विभाजनकारी लड़ाइयों से आगे बढ़ने का एक अनमोल अवसर है। यह किसी एक पार्टी या गुट के सदस्य के रूप में नहीं, बल्कि अमेरिकियों के रूप में आगे बढ़ने का एक नया रास्ता तय करने का मौका है। उपराष्ट्रपति हैरिस ने उनके अमेरिका की 47वें राष्ट्रपति चुने जाने की स्थिति में भविष्य की अपनी योजनाओं की रूपरेखा पेश की।

यूक्रेन में जेलेंस्की के साथ वार्ता से पहले मोदी ने गांधी के शांति संदेश पर प्रकाश डाला

कीव/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को सामंजस्यपूर्ण समाज के निर्माण में महात्मा गांधी के शांति के शाश्वत संदेश की प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए युद्ध प्रभावित यूक्रेन में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मोदी रूसी क्षेत्र में यूक्रेन के ताजा सैन्य हमले के बीच राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ वार्ता करने के लिए पोलैंड से लगभग सात घंटे की यात्रा के बाद आज यहां पहुंचे। उन्होंने कीव के 'ओएसिस ऑफ पीस' पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, कीव में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। बापू के आदर्श सार्वभौमिक हैं और लाखों लोगों को उम्मीद देते हैं। हम सभी मानवता के लिए उनके दिखाए मार्ग पर चलें।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, महात्मा गांधी के शांति के शाश्वत संदेश को याद करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कीव के 'ओएसिस ऑफ पीस' पार्क में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने सामंजस्यपूर्ण समाज के निर्माण और वर्तमान वैश्विक चुनौतियों का समाधान खोजने में महात्मा गांधी के शांति के शाश्वत संदेश की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। मोदी, जेलेंस्की के साथ आमने-सामने और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे, जिसमें रूस-यूक्रेन संघर्ष का बातचीत के जरिए समाधान निकालने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिसने विश्व को बुरी तरह प्रभावित किया है। उन्होंने युद्ध में मारे गए बच्चों की स्मृति में आयोजित प्रदर्शनी भी देखी। इस दौरान जेलेंस्की भी उनके साथ थे।

'बार्डर 2' में सनी देओल के साथ काम करेंगे वरूण धवन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता वरूण धवन आने वाली फिल्म बार्डर 2 में सनी देओल के साथ काम करते नजर आयेंगे। जेपी दत्ता निर्देशित वर्ष 1997 में प्रदर्शित फिल्म बार्डर में सनी देओल, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ और अक्षय खन्ना जैसे कलाकार अहम भूमिका में थे। करीब 27 साल बाद बॉर्डर का सीक्वल बनने जा रहा है। फिल्म बार्डर 2 में सनी देओल की मुख्य भूमिका होगी।बॉर्डर 2 में वरुण धवन की भी एंट्री हो गयी है।वरुण धवन ने एक अनाउंसमेंट वीडियो के साथ बॉर्डर 2 में अपनी एंट्री कन्फर्म कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया है और फिल्म से जुड़ने की खुशी जाहिर की है। वरुण धवन ने बॉर्डर 2 का अनाउंसमेंट वीडियो शेयर करते हुए लिखा, मैं चौथी क्लास में था, जब मैं चंदन सिनेमा गया और बॉर्डर देखी और इसने मुझ पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला। मुझे अभी भी याद है कि हॉल में हम सभी ने राष्ट्रीय गौरव की भावना महसूस की थी। मैंने अपने सशस्त्र बलों को आदर्श मानना ड्ड्शुरू कर दिया और आज भी मैं उन्हें सलाम करता हूं कि कैसे वे हमारी रक्षा करते हैं और हमें हमारी सीमाओं पर या प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सुरक्षित रखते हैं।जे पी दत्ता सर की वॉर फिल्म आज भी मेरी सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक है।

जे पी सर और भूषण कुमार द्वारा निर्मित बॉर्डर 2 में एक भूमिका निभाना मेरे करियर का एक बहुत ही खास पल है। मुझे अपने हीरो सनी पाजी (सनी देओल) के साथ काम करने का मौका मिला, जिससे यह और भी खास हो गया। मैं एक बहादुर जवान की कहानी को स्क्रीन पर लाने के लिए उत्साहित हूं जो भारत की सबसे बड़ी वॉर फिल्म होने का वादा करती है।

आयुष्मान खुराना ने साबूदाना को बताया 'थर्माकोल'

मुंबई/एजेन्सी

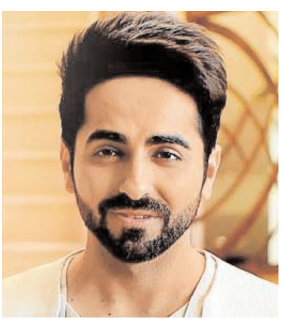

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना ने अपने खाने के साथ एक तस्वीर शेयर की। उन्होंने तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि यह थर्माकोल है। आयुष्मान ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने लंचबॉक्स की तस्वीर पोस्ट की, जिसमें साबूदाना खिचड़ी थी। यह खाना अभिनेता के अनुसार थर्मोकोल जैसी दिख रही थी। उन्होंने तस्वीर पर लिखा, साबूदाना खिचड़ी = थर्माकोल। बता दें कि आयुष्मान ने 15 अगस्त के अवसर पर कहा कि वह स्वयं को गहरा देशभक्त मानते हैं और विकसित भारत उनके लिए बहुत मायने रखता है। उन्होंने देखा है कि कैसे देश ने विश्व स्तर पर प्रगति की है। उन्होंने कहा था, मैं खुद को बहुत देशभक्त मानता हूं। मैं ऐसे माहौल में पला-बढ़ा हूं जहां मेरे माता-पिता ने मुझे बताया कि हमें भारतीय होने पर गर्व महसूस करना चाहिए, क्योंकि हमारे देश जैसा कोई दूसरा देश नहीं है। उन्होंने आगे कहा था, इस संवेदनशील उम्र में, मैं हमारे राष्ट्रीय नायकों के जीवन से बहुत प्रभावित हुआ, जिन्होंने हमारी स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ी।

उन्होंने आगे कहा, मैं उनकी दृढ़ता, धैर्य और मातृभूमि के प्रति बिना शर्त प्यार से अभिभूत था! मेरा स्कूल स्वतंत्रता दिवस पर ऐसे नायकों को याद करता था। हम अपनी आजादी का जश्न इस याद के साथ मनाते थे कि आजादी बहुत सारे बलिदानों के बाद हासिल की गई है। उन्होंने कहा, हमें सिखाया गया था कि अपनी स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए सक्रिय योगदान की आवश्यकता है, और हममें से प्रत्येक को अपने-अपने तरीके से राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। बता दें कि आयुष्मान ने हाल ही में अपना नया गाना 'रह जा' रिलीज किया और बताया कि उन्हें रोमांस के सभी पहलू पसंद हैं और वह हमेशा से दिल टूटने के बारे में लिखना चाहते थे। बड़े पर्दे पर आयुष्मान, करीना कपूर खान के साथ मेघना गुलज़ार द्वारा निर्देशित आगामी क्राइम थ्रिलर फिल्म में काम करने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म कथित तौर पर हैदराबाद बलात्कार मामले पर आधारित है।

जन्माष्टमी पर भगवान कृष्ण को माखन और मिश्री का भोग लगाएंगी आयुषी भावे

मुंबई/एजेन्सी

जन्माष्टमी को लेकर अपना उत्साह शेयर करते हुए अभिनेत्री आयुषी भावे ने बताया कि राधा और कृष्ण के प्रति उनकी भक्ति और प्रेम बचपन से ही रहा है। इस साल कृष्ण जन्माष्टमी 26 अगस्त को मनाई जाएगी। सुपरनैचुरल थ्रिलर '10:29 की आखिरी दस्तक' में बिंदु का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री आयुषी ने अपने जीवन में जन्माष्टमी के महत्व पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, जन्माष्टमी मेरे लिए आध्यात्मिक महत्व रखती है, जो मुझे भगवान कृष्ण के दिव्य प्रेम और ज्ञान की एक सुंदर याद दिलाती है। यह विशेष दिन मुझे उनका चिंतन करने के साथ एक बेहतर इंसान बनने के लिए प्रेरित करता है। आयुषी ने कहा, इस साल, मैं अपने स्थानीय मंदिर में पूजा में भाग लेकर उत्सव मनाने की योजना बना रही हूं। मैं खुद को पूरी तरह से उत्सव में डुबो दूंगी। मैं मक्खन और मिश्री जैसे पारंपरिक व्यंजन तैयार करने का भी इंतजार कर रही हूं, जो इस उत्सव में एक स्वादिष्ट स्पर्श तो जोड़ते ही हैं, साथ ही मुझे इस शुभ दिन से जुड़े रीति-रिवाजों और संस्कृति से जोड़ते हैं।

आयुषी ने बताया, ''मुझे बचपन में स्कूल के एक नाटक में राधा का किरदार निभाना बहुत अच्छा लगता था। यह वाकई एक मजेदार और समृद्ध अनुभव था। भगवान कृष्ण की एक शिक्षा 'निस्वार्थ कर्म या निष्काम कर्म का महत्व' ने मेरे जीवन को काफी प्रभावित किया है।'' अभिनेत्री ने कहा, वह हमें परिणाम जाने बिना अपने कर्तव्यों का पालन करने की सीख देते हैं।

यह एक ऐसा दृष्टिकोण है, जिसने मुझे अपने व्यक्तिगत प्रयासों में केंद्रित और प्रेरित रहने में मदद की है। भलाई के लिए अच्छा करने का यह सार मेरे भीतर गहराई से गूंजता है और मेरा जीवन की चुनौतियों के माध्यम से मार्गदर्शन करता है।''

इस शो में राजवीर सिंह अभिमन्यु, शांभवी सिंह और कृप सूरी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह स्टार भारत पर प्रसारित होता है।

मर्दानी में एंटी हीरो का किरदार निभाना शानदार शुरूआत : ताहिर राज भसीन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता ताहिर राज भसीन का कहना है कि मर्दानी फ्रैंचाइज़ी के पहले हिस्से में एंटी-हीरो की भूमिका निभाना उनके करियर की एक शानदार शुरुआत थी। ताहिर राज भसीन ने अपनी पहली फिल्म मर्दानी की दसवीं वर्षगांठ पर विचार साझा किया है। फिल्म मर्दानी प्रदीप सरकार द्वारा निर्देशित थी, जिसमें रानी मुखर्जी और ताहिर राज भसीन प्रमुख भूमिकाओं में थे।

फिल्म मर्दानी के दस साल पूरे होने पर ताहिर ने साझा किया, जब मर्दानी के दस साल पूरे हो गए हैं, तो मैं इस फिल्म पर काम करने की अविस्मरणीय यात्रा के लिए बहुत आभार के साथ पीछे मुड़कर देखता हूं। मुझे यशराज फिल्म्स में डेब्यू करने का दुर्लभ अवसर मिलने पर बेहद गर्व है। इस फिल्म को निर्देशित करने वाले असाधारण प्रदीप सरकार और रानी मुखर्जी के साथ काम करने का मौका मिला। मुझे वो पल अच्छी तरह याद है जब मुझे बताया गया कि सैकड़ों ऑडिशन के बाद, कई राउंड के बाद मुझे मर्दानी में एंटी-हीरो की भूमिका के लिए चुना गया है। मैंने खुशी के आंसू रो दिए। यह अहसास तब तक नहीं हुआ जब तक कि हमने पहली बार स्क्रिप्ट रीडिंग के लिए मुलाकात नहीं की।

ताहिर ने कहा, जब फिल्म मर्दानी रिलीज़ हुई थी, तो इसे बहुत प्यार और सराहना मिली थी। मुझे खासतौर पर आमिर खान सर का ट्वीट याद है, उन्होंने ट्वीट किया था, 'यह नया लड़का कौन है? मुझे इसका प्रदर्शन पसंद आया। जब मैंने उनके लिए अपना ट्वीट देखा, तो मैं खुशी से झूम उठा।मर्दानी सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं था; यह मेरे लिए एक बदलावकारी अनुभव था। प्रदीप सरकार के साथ काम करना एक सम्मान की बात थी। उनके मार्गदर्शन ने एक आकर्षक एंटी-हीरो को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें स्टाइल और एज था। मर्दानी की विशेषता इस बात में थी कि एंटी-हीरो को प्रदीप सर ने कैसे प्रस्तुत किया। उनके पास विशिष्ट निर्देश देने की असाधारण क्षमता थी, लेकिन साथ ही अभिनेता को प्रामाणिक भावनात्मक प्रदर्शन को तलाशने के लिए जगह देने की भी। सेट पर उनके साथ बिताया हर पल एक सीखने का अनुभव था।रानी मुखर्जी के साथ स्क्रीन साझा करना उतना ही प्रेरणादायक था। वह एक स्टार है जिन्हें मैं बचपन से देखता आया हूं।

उनसे सीखने के लिए बहुत कुछ था। रानी मुखर्जी की उपस्थिति आकर्षक थी, और उनकी पेशेवरता और भूमिका के प्रति समर्पण अद्वितीय था।मर्दानी फ्रैंचाइज़ी के पहले हिस्से में एंटी-हीरो की भूमिका निभाना मेरे लिए एक गतिशील शुरुआत थी और यह एक ऐसा अनुभव है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा।

'अहो विक्रमार्क' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

निर्देशक त्रिकोटी पेटा की बहुप्रतीक्षित फिल्म अहो! विक्रमार्क! का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। देव गिल प्रोडक्शंस के बैनर तले बनीं, अहो! विक्रमार्क! तेलुगु और मराठी फिल्म उद्योगों में प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म है। आरती देव गिल और अश्विनी कुमार मिश्रा द्वारा निर्मित इस महत्वाकांक्षी परियोजना को पुणे में बड़े पैमाने पर फिल्माया गया है और इसे हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम सहित कई भाषाओं में अखिल भारतीय रिलीज़ के लिए तैयार किया गया है। अहो! विक्रमार्क! की कहानी विक्रमार्क नामक एक क्रूर पुलिस वाले के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे देव गिल ने चित्रित किया है।

महाराष्ट्र में संगठित अपराध की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म की कहानी दर्शकों को एक भयावह वास्तविकता से परिचित कराती है, जहाँ एक बार अनैतिक गतिविधियों में लिप्त पुलिस अधिकारी खुद को शोषितों को बचाने और एक भयानक प्रतिपक्षी को गिराने के मार्ग पर पाता है। त्रिकोटी पेटा ने कहा, हम ट्रेलर को मिली प्रतिक्रिया से अभिभूत हैं। यह फिल्म प्यार का एक श्रम है, और हम अपने दर्शकों को आश्वस्त करते हैं कि अहो! विक्रमार्का! असाधारण प्रदर्शनों के साथ एक आशाजनक कहानी होगी, एक पूर्ण मनोरंजन जो एक स्थायी प्रभाव छोड़ देगा।

मुंबई का स्पेशल नाश्ता जेनिफर विंगेट की सुबह को बनाता है शानदार

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री जेनिफर विंगेट ने अपने फैंस को सुबह के नाश्ते की झलक दिखाई, जिसमें 'बन मस्का और चाय' को देखा जा सकता है। इंस्टाग्राम पर जेनिफर के 8.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं। इस प्लेटाफॉर्म पर शेयर की गई स्टोरीज में उन्होंने अपने सुबह के नाश्ते की फोटो शेयर की है। यह तस्वीर उन्होंने अपनी कार पर ली है। कार के बोनट पर 'बन मस्का' और कुल्हड़ चाय की प्लेट देखी जा सकती है। उन्होंने इसे कैप्शन दिया, बन मस्का और चाय चलते-फिरते! एक अन्य स्टोरी में उन्होंने फर्श पर बैठे तीन डॉग्स की तस्वीर शेयर की। इसे कैप्शन दिया गया है, स्पॉटेड। विंगेट ने 1995 की फिल्म 'अकेले हम अकेले तुम' से एक बाल कलाकार के रूप में अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। उन्होंने 2002 में 'शाका लाका बूम बूम' के साथ टेलीविजन पर कदम रखा। बच्चों के इस फैंटेसी एडवेंचर टेलीविजन शो में विशाल सोलंकी ने संजू की मुख्य भूमिका निभाई थी। इसमें हंसिका मोटवानी ने करुणा की भूमिका निभाई थी। जेनिफर ने 'कुसुम' में सिमरन, 'कोई दिल में है' में प्रीति, 'कसौटी जिंदगी की' में स्नेहा बजाज गिल, 'क्या होगा निम्मो का' में नताशा, 'कहीं तो होगा' में स्वेतलाना और 'संगम' में गंगा भाटिया की भूमिकाएं निभाई हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
8
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शनिवार | 24-08-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat
DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय जीतो चैप्टर नॉर्थ के अंतर्गत जीतो लेडीज विंग द्वारा आयोजित जीतो बिज़नेस नेटवर्क रेफ़रल मीट वी कनेक्ट की बैठक आयोजित की, जिसमें अनुभवी ग्राफिक डिजाइनर, सोशल मीडिया कोच, डिजिटल पहल नाम ख्वाब कैचर की संस्थापिका और डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञ भाविका कोठारी ने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की उन्नति आम बात है।

तेरापंथ भवन विजयनगर में हुआ मासखमण प्रत्याख्यान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा विजयनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में साध्वीश्रीजी ने अपनी संसार पक्षीय भाभीजी संगीता गादिया को 30 दिन मासखमण तप का प्रत्याखयान करवाया। सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने तप अनुमोदना की। साध्वीप्रमुखजी के संदेश का वाचन वरिष्ठ सभा उपाध्यक्ष भंवरलाल मांडोत ने किया। तेयुप के पूर्व अध्यक्ष श्रेयांश गोलछ, महिला मंडल की अध्यक्षा मंजू गादिया ने तप की अनुमोदना की। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष बाबूलाल बोथरा, मंत्री दिनेश हिंगड़ सहमंत्री ज्ञानू नाहटा सहमंत्री विमल दक संगठनमंत्री मनोहरलाल बोहरा, कोषाध्यक्ष चम्पालाल मालू आदि उपस्थित थे। साध्वीश्री आस्थाप्रभाजी ने गीत का गान किया। संचालन साध्वीश्री दीक्षाप्रभाजी ने किया।

नीति से कमाया गया धन ही सुख देगा : संतश्री राजेशमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री राजेशमुनिजी ने मद के विषय पर प्रवचन करते हुए कहा कि मद के वशीभूत होने पर इंसान को अच्छी शिक्षा भी बुरी लगती है।

जिसे कमाई का मद आ जाता है तो वह कमाई भी उसके किसी काम की नहीं रहती। नीति से कमाया गया धन ही सुख देगा। अनीति से कमाया गया धन दुख ही देगा। विनयवान होना ही मद को मिटाने का मार्ग है। एक समय था कि वचन की बहुत कीमत होती थी। आज परस्पर रिश्तों में विश्वास की कमी होने के कारण वचन की कीमत ही नहीं रही। मद में रहने वाले को अर्श से फर्श पर आने में देर नहीं लगती।

प्रवचन का महत्व बताते हुए मुनिश्री ने कहा कि प्रवचन वह है जो वचन से जीवन में परिवर्तन ला दे। प्रवचन की सभा ऐसी जगह होती है जहां हमें सही दृष्टि और समकित मिल जाता है। ज्ञान और क्रिया से ही मोक्ष की प्राप्ति होती है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के पूर्व अध्यक्ष और परामर्शक विमल कटारिया को आचार्यश्री महाश्रमणजी के आशीर्वाद से सूरत में अभातेयुप द्वारा सर्वोच्च अलंकरण 'युवा गौरव' प्रदान किया गया। अलकरंण मिलने के बाद सूरत में ही तेरापंथ युवक परिषद यशवंतपुर के अध्यक्ष महावीर गन्ना, उपाध्यक्ष मुकेश मुथा, विक्रम पितलिया, सहमंत्री अभिषेक पोखरना, भावेश कटारिया, कोषाध्यक्ष प्रवीण माण्डोत, संगठन मंत्री धर्मेश डुंगरवाल, अभातेयुप से विनोद मुथा, अभातेयुप राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन माण्डोत ने विमल कटारिया का सम्मान किया तथा उन्हें शुभकामनाएं दी।

हनुमंतनगर में सजोड़े जाप के सामूहिक आयोजन में उमड़े श्रावक श्राविकाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धर्मप्रभाजी व स्नेहप्रभाजी के सान्निध्य में मरुधर केसरी श्री मिश्रीमल जी व लोकमान्य संत वरिष्ठ प्रवर्तक श्री रूपमुनिजी की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित सप्त दिवसीय कार्यक्रम की श्रृंखला में शुक्रवार को हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में पंचम दिवस पर सजोड़े जाप का आयोजन किया गया।

साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने श्रद्धालुओं को प्रारंभ में जाप की विधि-साधना संपन्न करवाई। सजोड़े जाप में भाग लेने वाले एवं धर्मसभा में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को लाभार्थी मांगीलाल प्रकाश बोहरा परिवार की तरफ से प्रभावना दी गई। धर्मसभा में एकासना दिवस के कार्यक्रम के लाभार्थी परिवार किशोरचंद धनराज खिंवसरा मुथा परिवार एवं शुक्रवार के सामूहिक सजोड़े जाप के लाभार्थी मांगीलालजी प्रकाशचंद बोहरा परिवार का सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रवचन सभा में पंजाब से आए साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी के सांसारिक भाई अश्विनी कुमार मित्तल का भी संघ द्वारा सम्मान किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पार्श्व पद्मावती साधना में एकासना तप की आराधना संपन्न की। अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने सबका स्वागत किया। संचालन संघ मंत्री सुरेशकुमार धोका ने बताया कि शनिवार को अन्नदान की व्यवस्था रखी गई है।

जीतो वी कनेक्ट में महिलाओं ने सीखा डिजिटलीकरण

'जीवन कौशल प्रशिक्षण का लक्ष्य ग्राहकों को संतुष्ट करना है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जीतो चैप्टर नॉर्थ के अंतर्गत जीतो लेडीज विंग द्वारा आयोजित जीतो बिज़नेस नेटवर्क रेफ़रल मीट वी कनेक्ट की बैठक आयोजित की, जिसमें अनुभवी ग्राफिक डिजाइनर, सोशल मीडिया कोच, डिजिटल पहल नाम ख्वाब कैचर की संस्थापिका और डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञ भाविका कोठारी ने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की उन्नति आम बात है। व्यावसायिक उत्पाद और सेवाएँ लगातार डिजिटल परिदृश्य को नया आकार दे रही हैं, जिससे समाज के तकनीक के साथ व्यवसाय में बातचीत करने का तरीका बदल रहा है। डिजिटल उपकरण जिस प्रकार तेज़ी से विकसित हो रहे है हमें उसके अनुकूल गति पकड़नी है। डिजिटल टूल पर व्यवसाय हेतु विज्ञापन फ़ॉर्मेट उपलब्ध है जो हमारे मार्केटिंग लक्ष्य को पूरा करने में मदद करता है। उन्होंने अपने विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला।

दूसरे सत्र में लाइफ स्किल कोच जीया जैन ने पीपीटी द्वारा विषय पर प्रस्तुति देते हुए बताया कि जीवन कौशल कोचिंग का लक्ष्य ग्राहकों को जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफल होने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए आवश्यक कौशल और आत्मविश्वास विकसित करने में मदद करना है। अपने अनुभवों के आधार पर बताया की किस प्रकार से यह हमें अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सफल होने और जीवन की जटिलताओं को लचीलेपन और अनुकूलनशीलता के साथ मार्गदर्शित करती है। रेफ़रल मीट में विशिष्ट प्रस्तुति में पवन ओसवाल व कारोबार में विशेष संगीता जैन को पुरस्कृत किया गया। लेडीज विंग नॉर्थ अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी, महामंत्री सुमन वेदमुथा ने शुभकामना दी। वी-कनेक्ट अध्यक्ष सुमन रांका की अध्यक्षता में इस मीट का आयोजन किया। उपाध्यक्ष पिंकी मेहता ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। सीमा शाह ने धन्यवाद दिया।

परहित व परोपकार के कार्य पुण्य के कार्य हैं : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक सेपिंग्स रोड चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी आगमश्रीजी ने नव पुष्प का विश्लेषण करते हुए कहा कि आज इंसान अपने लिए बढ़िया से बढ़िया आलीशान कोठी-बंगला बनाता है, लाखों करोड़ों रुपए खर्च करता है पर जब कोई चन्दा व दान मांगने जाते है तो दो चार जली कटी सुना देते है।

आज लोग भूल गए कि दूसरों के परोपकार के लिए आश्रय बना देना पुण्य का कार्य है। अपने लिए बनाना पुण्य का कार्य नहीं। साधर्मिक के लिए आश्रय स्थान देना पुण्योपार्जन का कार्य है। धर्मस्थान पावन गंगा है, जिसमें डुबकी लगाए तो पवित्र बन जाता है। कंस भी नहाकर कृष्ण बन सकता है। जहां जाकर हम पाप पुण्य का लेखा जोखा देख सकते हैं। आज हम स्थानक में बैठे है आपने हमें रहने के लिए स्थान दिया वह महापुरुषों की प्रेरणा से बना है। श्रावकों के पुरुषार्थ से बना है। ऐसा पुण्य का कार्य करने से अच्छा फल मिलता है और मिलता रहेगा। संचालन मंत्री अशोक बांठिया ने किया।

'संयम में रहने से चित्त में समाधि प्राप्त होती है'

गांधीनगर तेरापंथ भवन में हुआ चित्त समाधि शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में चित्त समाधि का एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल ने सभी का स्वागत किया। साध्वीश्री उदितयशाजी ने कहा कि मंगल दो प्रकार के हैं, एक है द्रव्य मंगल और दूसरा भाव मंगल। चित्त में समाधि के लिए हमें कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए जैसे, समन्वय एक दूसरों की बात को समझना, दूसरी बात अपने आप को सामने वाले व्यक्ति की जगह रखकर सोचना, तीसरी बात, बातों को भूलना सीखे चौथी और महत्वपूर्ण बात यह भावना करें कि मैं ऐसा कोई काम ना करूं जिससे अशुभ कर्मों का बंद हो। साध्वीश्री संगीतप्रभाजी ने ध्यान एवं जाप करवाया और अर्हम का अर्थ बताते हुए कहा कि हमें शक्ति संपन्न बनना चाहिए क्योंकि हम कर्मों से आवृत है और उसे आवरण को हटाने हेतु बारह व्रत और चौदह नियम की महत्व बताया। संयम में रहने से चित्त में समाधि प्राप्त होती है। संयम का छोटा प्रयोग है द्रव्य सीमा। आजकल के व्यस्ततम जीवन में फिट रहना अनिवार्य है। इसके लिए साध्वीश्री शिक्षाप्रभाजी ने कुछ आसन एवं योगिक क्रियाएं करवाते हुए उसके लाभ एवं उपयोगिता के बारे में बताया। साध्वीश्री भव्ययशाजी ने की टू हैप्पीनेस में रंगों से श्वास प्रेक्षा करवाया। श्वास प्रेक्षा करने से शारीरिक तौर पर स्वस्थ रहते हैं, गुरु के प्रति श्रद्धा रखने से मानसिक सुख मिलता है और नवकार मंत्र की साधना करने से किसी भी परिस्थिति को पार कर सकते हैं। साध्वीश्री संगीतप्रभाजी ने 24 तीर्थंकरों पर आधारित प्रतियोगिता करवाई। कांता प्रकाश लोढ़ा परिवार का मंडल ने सम्मान किया। मंत्री ज्योति संचेती, उपाध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा, लता गादिया, सहमंत्री प्रमिला धोका, संगठन मंत्री पवनबाई संचेती, प्रचार प्रसार मंत्री संगीता आंचलिया, पूर्व अध्यक्ष निर्मला सोलंकी आदि उपस्थित थीं। शिविर संयोजिका मीना आच्छा ने धन्यवाद दिया।

सामायिक से इंसान की मानसिकता मजबूत होती है : विनयमुनि खींचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग शिवाजीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि सामायिक से इंसान की मानसिकता मजबूत होती है। समस्याओं की समाप्ति सामायिक करती है। सामायिक परम तप, परमजाप, परम पद और परम गुण है। सामायिक अभ्यास रूप शिक्षा व्रत है। समस्त व्रतों में सामायिक मोक्ष का प्रधान अंग है। सामायिक करने का उद्देश्य मोह माया द्वेष हिंसा रौद्रता की प्रवृत्तियों से आत्मा को दूर रखना। सभी जीवों के प्रति मैत्री भाव को 'साम' कहते हैं, अतः जिस क्रिया से साम का लाभ होवे वह सामायिक है। सामायिक का रूढ़ अर्थ एकांत शांत स्थान में दो घड़ी, अठारह पापों का त्याग करके सभी सावद्य योगों का त्याग, सांसारिक कार्यों से आत्मा को अलग कर, अपनी योग्यता नुसार श्रुत अध्ययन, चिंतन,ध्यान, धर्म कथा आदि करना। समता के बिना सामायिक व्रत निष्प्राण है। जो आत्मा अपनी असुरक्षा के भय से मुक्त अर्थात निर्भय भाव में स्थापित करता है, वही सामायिक की साधना कर सकता है। सेवा धर्ममहान है। सेवा धर्म को गहन गति बताया गया है। चारित्र-सर्वसामायिक व्रत धारक को साधर्मिक सेवा पहले करें ऐसा तीर्थकरों का संदेश है। सेवा से तीर्थकर गौत्र का बंध होता है। सेवा में सामायिक के भाव छिपे रहते है। कुछ आचार्य जन सेवा को जिन सेवा मानते हैं।

शुक्रवार को ऊटी जैन समाज के लगभग 100 श्रावक श्राविकाएं मुनिदर्शन के लिए पहुंचे। ऊटी में 60 वर्षीतप चल रहे है । गणेश बाग संघ ने सभी तपस्वियों का सम्मान किया। प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। प्रसन्नचंद मांडोत, सुदर्शन मांडोत, किशोर गादिया, शांतिलाल लुणावत, गौतम कांकरिया, धर्मेन्द्र जैन तथा तथ युवासंघ के सद्स्यों ने सेवा-वैय्यावचा में सहयोग दिया। संघ के महामंत्री संपतराज मांडोत ने सभी को धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कजली तीज

अखण्ड सौभाग्य की कामना से राजस्थानी महिलाओं ने गुरुवार को बेलन्दूर समीप दोडकनहल्ली में कजली तीज पर्व पर व्रत कर पूजा की तथा भगवान से अखण्ड सौभाग्य की कामना की। उन्होंने सोलह श्रृंगार कर सखियों के साथ नीम का पूजन किया। महिलाओं ने देर सायं चंद्रदर्शन कर आक के पत्ते पर सत्तू रखकर भगवान को भोग लगाकर पारणा किया।

बसवनगुड़ी आराधना भवन में ज्ञानवर्धक श्रुतोपासना क्विज कार्यक्रम आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में आराधना भवन, पाठशाला, सामायिक मंडल और सेवा मंडल के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित रत्नत्रयी महोत्सव के पहले दिन साध्वी स्वर्णांजनाश्रीजी की निश्रा में ज्ञानवर्धक और मनोरंजक श्रुतोपासना क्विज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभी विजेताओं को दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, प्रवक्ता अरविन्द कोठारी, राजेश शाह आदि ने सम्मान किया। ललित डाकलिया ने बताया कि इस क्विज में धार्मिक इतिहास और परमात्मा के जीवन चरित्रों और धार्मिक सूत्रों के बारे में प्रश्न पूछे गए। कुल सात टीमों ने भाग लिया। सम्पूर्ण कार्यक्रम और क्विज का संचालन साध्वी स्वर्णांजनाश्रीजी, मुद्रांजनाश्रीजी, सूत्रांजनाश्रीजी और दिशांजनाश्रीजी ने किया और तकनीकी सहयोग भरत कोठारी ने दिया। कार्यक्रम का संचालन चन्द्रिका बोहरा ने किया। महोत्सव के द्वितीय दिवस शनिवार को प्रातः गौतम स्वामी सरस्वती महापूजन आयोजित किया गया है। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

भारतीय संस्कृति भोग प्रधान नहीं, योग प्रधान है : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका में शुक्रवार को बहु बेटियों के साथ हो रहे अपराधों के विषय में भोग और योग पर तलस्पर्शी मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि पश्चिम की आंधी से बचना होगा। ये हमारी गौरवशाली भारतीय संस्कृति को नष्ट कर देगी। हमारी युवा पीढ़ी को योग भुलाकर भोग के मार्ग पर ले जाने का भयंकर षडयंत्र चल रहा है। बहु बेटियों के साथ हो रहे अपराधों की यही मूल वजह है। वरना भारतीय संस्कृति तो नारियों की पूजा का संदेश देती है और कहती है कि जहां नारी जाति का सम्मान होता है, वहां देवता भी नृत्य करते हैं। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि ब्रह्मचर्य महत्तम साधना है। जो भोग से मुक्त होकर योग के मार्ग पर रमणता करते हैं, वे साधक सचमुच पूजनीय हैं। ब्रह्मचर्य से बढ़कर कोई साधना नहीं है। काम वासनाएं तो दुःखदायी हैं। उनका कोई अंत नहीं है। भारतीय संस्कृति भोग प्रधान नहीं, योग प्रधान है। यहां संसार के हर प्रसंग को योग से रंगने का पवित्र पुरुषार्थ हुआ है। यहां राजा महाराज सर्वस्व का त्याग कर साधक बनें हैं। विवाह के मंडप से उठकर लोगों ने संन्यास ग्रहण किया है। जैनाचार्य ने कहा कि बरबादी से बचने के लिए हमें पीछे लौटना होगा। गुरुकुल पद्धत्ति की शिक्षा व्यवस्था लानी होगी। लार्ड मैकोले का दिया ज़हर हम सभी को जड़ों से समाप्त कर रहा है। ब्रह्मचर्य आश्रम और उसकी महत्ता हमें समझनी होगी। बड़ी आयु में विवाह, लिव इन रिलेशनशिप और पश्चिमी संस्कृति का अंधानुकरण बहुत घातक सिद्ध हो रहा है। आज भोगवाद की अधिकता में मतिभ्रष्टता बढ़ रही है। तनाव और पागलपन बढ़ रहा है। असंतोष की ज्वाला में हजारों जिंदगियां रोज स्वाहा हो रही है। जीवन का अंत है, इस भोगवाद का कहीं अंत नहीं है। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान और प्रवीण दांतेवाडिया ने बताया कि शनिवार को सुबह एक्जिब्युशन ग्राउंड से तपस्वियों की शोभायात्रा का आयोजन किया गया है। 200 तपस्वियों ने 8, 9, 11, 15 व 16 दिन के निराहार उपवास की सामूहिक साधना की है। बुद्धि वीर वाटिका में तपस्वियों का पच्चक्खाण समारोह आयोजित होगा।

'संस्कारशाला' कार्यशाला में अनुशासन का पाठ पढ़ाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय आरआरनगर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत तीसरी 'संस्कारशाला' का आयोजन केंगेरी के सरकारी स्कूल में अध्यक्ष सुमन पटावरी के निर्देशन में आयोजित हुई। 'अनुशासन' विषय पर आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ पूनम दक ने किया और कहानी के माध्यम से समझाया कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए किसी जादू की नहीं बल्कि अनुशासन की जरूरत होती है। एक इंसान अपने जीवन में तभी कुछ बड़ा हासिल कर सकता है जब वह अनुशासन अपनाता है। दीपिका दक ने महाप्राण ध्वनि व दीपिका देरासरिया ने खेल गतिविधियां करवाई। संयोजिका पूनम दक ने धन्यवाद दिया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

मित्र मंडल की श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 26 को

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय मित्र मंडल हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सोमवार को माहेश्वरी भवन में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन कर रहा है।

अध्यक्ष रामेश्वरलाल पंचारिया ने बताया कि इस आयोजन में रात 8.30 बजे से शहर के जाने माने भजन गायक हरिकिशन सारड़ा व मोनू गादिया भजनों की प्रस्तुति देंगे। मध्यरात्रि में भगवान श्री कृष्ण की आरती व फलाहार का आयोजन किया गया है। मंत्री कमल लिल्हा ने सभी कृष्ण भक्तों को कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com